हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार 5 जुलाई 2026

तापमान

अधिकतम 38 .5 डिग्री से.
न्यूनतम 25 .4 डिग्री से.

12 मानसून की पहली बरसात से मौसम सुहावना

12 एसए जैन स्कूल में किया पौधारोपण, पर्यायवरण ..

खबर संक्षेप

ट्रेन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन पर शनिवार को एक व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान करीब 37 वर्षीय चिराग, निवासी पिहोवा, के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जीआरपी पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

हेरोइन और रुपयों के साथ युवक गिरफ्तार

यमुनानगर। एंटी नारकोटिक सेल ने कलानौर बॉर्डर के पास से गांव रायपुर निवासी आमिरदीन उर्फ सोनू को 35 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। बरामद हेरोइन की कीमत करीब 95 हजार रुपये बताई गई है। पीएसआई आशीष ने बताया कि टीम को सूचना मिली थी कि आरोपी उत्तर प्रदेश से नशीला पदार्थ लेकर यमुनानगर आएगा। सूचना के आधार पर पुलिस ने कलानौर बॉर्डर पर नाकाबंदी की। कुछ देर बाद बाइक पर आए युवक को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें उसके कब्जे से हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

फर्जी एससी प्रमाणपत्र बनवाने के आरोप, केस

यमुनानगर। शहर के प्यारा चौक निवासी अमित कुमार, उनकी पत्नी अनीता व परिवार के अन्य सदस्यों पर धोखे से अनुसूचित जाति (एससी) का प्रमाणपत्र बनवाकर सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार शिकायतकर्ता शिवाजी पार्क, मॉडल टाउन निवासी हिमांशु सचदेवा ने आरोप लगाया कि आरोपी पंजाबी खत्री समुदाय से हैं, जो सामान्य वर्ग में आता है। इसके बावजूद उन्होंने कथित रूप से जाली एससी प्रमाणपत्र बनवाकर उसे असली के रूप में इस्तेमाल किया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच की। प्रारंभिक जांच में आधार मिलने पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

अवैध देसी कट्टा व जिंदा राउंड के साथ युवक धरा

यमुनानगर। सीआईए-वन पुलिस ने गांव महलावाली के पास से मारवां कलां निवासी मोहित चौहान को अवैध देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। सिपाही मनीष कुमार ने बताया कि गश्त के दौरान सूचना मिली थी कि एक युवक संदिग्ध हालत में घूम रहा है और किसी वारदात की फिराक में है। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पानीपतः फायरिंग के दो आरोपी गिरफ्तार

पानीपत। सीआईए वन पुलिस ने समालखा क्षेत्र के हथवाला गांव में रिंकू पर फायरिंग कर जानलेवा हमला व मारपीट करने मामले में दो आरोपियों कपिल व अंकित निवासी गांव हथवाला को गिरफ्तार किया है। थानेदार फूल कुमार ने बताया कि पूछताछ में दोनों आरोपियों ने मामले में पहले गिरफ्तार हो चुके अपने सात साथी आरोपियों चुलकाना निवासी रवि उर्फ कमांडो, समालखा शास्त्री कॉलोनी निवासी सुमित उर्फ बांदरी, डिकाडला निवासी भूपेंद्र, हथवाला निवासी राहुल व बंटी और बापौली निवासी आर्यन व लक्की के साथ मिलकर उक्त वारदात को अंजाम देना स्वीकारा। रिंकू की शिकायत पर केस दर्ज है।

भाजपा नेता की फैक्ट्री में भीषण आग से मचा हड़कंप

कर्मचारियों ने समय रहते केमिकल के ड्रमों को बाहर निकालकर बड़ा हादसा और विस्फोट टाला

कारणों की जांच शुरू, भारी नुकसान की आशंका

फैक्ट्री से उठता काला धुआं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

करनाल के मेरठ रोड स्थित भाजपा नेता एवं उद्योगपति सतीश गुप्ता की श्री राम एग्रो फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग देखते ही देखते पूरे परिसर में फैल गई और फैक्ट्री से उठता काले धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर तक दिखाई देने लगा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के लिए राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार फैक्ट्री कर्मचारियों ने शुरुआती स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं रहे। मौके पर पहुंची दमकल कर्मियों ने कई घंटे के प्रयास के बाद नियंत्रण पाया।

केमिकल से भरे ड्रम बड़ी चिंता

फैक्ट्री परिसर में रखे केमिकल से भरे ड्रम आग के बीच सबसे बड़ी चिंता बने हुए थे। दमकल कर्मियों और फैक्ट्री कर्मचारियों ने जोखिम उठाकर इन ड्रमों को समय रहते बाहर निकाल लिया, जिससे किसी बड़े विस्फोट या जनहानि की आशंका टल गई। एहतियात के तौर पर मेरठ रोड के एक हिस्से पर यातायात भी कुछ समय के लिए रोक दिया गया और आसपास मौजूद लोगों को सुरक्षित दूरी पर रहने की सलाह दी गई। साथ ही पेट्रोल पंपों को भी सतर्क कर आवश्यक सुरक्षा उपाय अपनाने के निर्देश दिए गए।

आग लगने के कारणों की जांच शुरू

फायर ब्रिगेड अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट सहित अन्य संभावित कारणों की जांच की जा रही है। फैक्ट्री में हुए नुकसान का आकलन भी किया जा रहा है। शुरुआती अनुमान के अनुसार आग से लाखों रुपये का नुकसान होने की आशंका है।

फायर विभाग की टीम ने आवश्यक साक्ष्य जुटाए

फैक्ट्री मालिक सतीश गुप्ता ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही वे मौके पर पहुंचे और राहत कार्य की निगरानी की। पुलिस और फायर विभाग की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं। अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद आग लगने के वास्तविक कारणों का खुलासा होगा और उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सीएम नायब सिंह सैनी बोले सरकार ने 66 वादों को किया पूरा, 151 पर चल रहा है काम

लाडवा और घडौली में विकास कार्यों के लिए करोड़ों की दी सौगात

500 रुपये गैस सिलेंडर और एमएसपी खरीद जैसी योजनाओं का किया जिक्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश पिछले 12 वर्षों में तेजी से विकास कर रहा है और प्रदेश भी डबल इंजन सरकार के तहत नए विकास आयाम छू रहा है। वे शनिवार को लाडवा विधानसभा क्षेत्र के गांवों में जनसंपर्क के दौरान लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि चुनाव के समय किए गए 217 संकल्पों में से 66 वादे पूरे किए जा चुके हैं, जबकि 151 पर तेज गति से कार्य जारी है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी ने हमेशा जनता से झूठे वादे किए और सत्ता में आने के बाद उन्हें पूरा नहीं किया, जिसके कारण जनता ने निकाय चुनाव में भी उन्हें नकार दिया। उन्होंने खेड़ी दाबदलान और घडौली गांव में विकास कार्यों के लिए कई घोषणाएं कीं। इनमें दोनों गांवों के लिए 21-21 लाख रुपये की विकास राशि, पेयजल के लिए ट्यूबवेल तथा जल निकासी व्यवस्था शामिल है। उन्होंने सरपंचों की मांगों को पूरा करने का आश्वासन देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों का शहरों की तर्ज पर विकास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि किडनी मरीजों के लिए सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क डायलिसिस सुविधा शुरू की जाएगी। किसानों की सभी फसलें एमएसपी पर खरीदी जा रही हैं। जरूरतमंद महिलाओं को 500 रुपये में गैस सिलेंडर और 2100 रुपये मासिक सहायता दी जा रही है। लाडो लक्ष्मी योजना के तहत अब तक 1650 करोड़ रुपये लाभार्थियों के खातों में भेजे जा चुके हैं। उन्होंने शिक्षा क्षेत्र में मिशन बुनियाद और सुपर-100 कार्यक्रम की सराहना की, जिसके तहत सैकड़ों विद्यार्थियों का चयन आईआईटी और एनआईटी जैसे संस्थानों में हुआ है।

कुरुक्षेत्र। लाडवा विधानसभा क्षेत्र के गांव घड़ोला में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का स्वागत करते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

2029 में भी बनेगी चौथी बार सरकार

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार विकास कार्यों और जनकल्याणकारी नीतियों के बल पर 2029 में भी चौथी बार सरकार बनाएगी। वे गांव भालड़, धनौरा जाटान और भैणी में विकास कार्यों के लिए आयोजित कार्यक्रमों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने तीनों गांवों के लिए कुल 1 करोड़ 8 लाख रुपये की विकास घोषणाएं कीं और लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि सरकार ने 217 संकल्पों में से 66 पूरे कर दिए हैं और शेष पर तेजी से काम चल रहा है।

मौजूद रहे

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक चंद्र मोहन, मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी, चेयरमैन सुभाष कलसाना, रविंद्र सांगवान, तुषार सैनी, चेयरमैन डॉ गणेश दत्त, जिप चेयरपर्सन कंवलजीत कौर, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र सिंह, जिला अध्यक्ष रमेश सैनी, सरपंच सूरज अहेरिया, सरपंच बलजोर सिंह, जगदीप, सुरजीत,रामकुमार सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

मोबाइल किस्त विवाद में थार सवार युवकों पर हमला

■ क्रेटा और फॉर्च्यूनर सवार आरोपियों ने दिया अंजाम

साहा। मोबाइल की किस्तों को लेकर हुए पुराने विवाद में थार गाड़ी सवार युवकों पर जानलेवा हमला किया गया। हमलावरों ने क्रेटा और फॉर्च्यूनर गाड़ियों से पीछा कर दो अलग-अलग स्थानों पर थार को घेर लिया और ईंटों व तलवारों से हमला कर दिया, जिससे गाड़ी के सभी शीशे टूट गए और उसमें बैठी एक युवती घायल हो गई। पीड़ित साहिल निवासी गांव लदाना ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह मोहाली में बाइक राइडर का काम करता है। उसके दोस्त गगनदीप द्वारा एक मोबाइल की किस्तें न भरने के कारण दुकान संचालक लाली से विवाद हो गया था, जिससे रंजिश बढ़ गई।साहिल के अनुसार 2 जुलाई की रात वह अपने दोस्तों के साथ केसरी गांव के पास रुका था, तभी आरोपियों ने वहां पहुंचकर हमला कर दिया। इसके बाद क्रेटा और फॉर्च्यूनर से पीछा करते हुए शाहबाद-साहा रोड पर दोबारा घेरकर तलवारों से वार किया गया। हमले में गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और महक नामक युवती घायल हो गई। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर लाली, रोहित, सेवक व अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कुवि इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग ने राष्ट्रीय रैंकिंग में बनाई पहचान

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग ने अपने पहले ही प्रयास में राष्ट्रीय स्तर पर शानदार उपलब्धि दर्ज की है। इंडिया टुडे-एमडीआरए बेस्ट कॉलेजेज ऑफ इंडिया 2026 इंजीनियरिंग कॉलेज रैंकिंग में विभाग ने सरकारी एवं निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों की श्रेणी में देशभर में 32वां स्थान प्राप्त किया है। इसके अलावा 308 संस्थानों की समग्र (ओवरऑल) श्रेणी में विभाग को 129वीं रैंक मिली है। यह उपलब्धि विभाग की शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान कार्यों और शिक्षण उत्कृष्टता का प्रमाण मानी जा रही है।कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेव ने इस उपलब्धि पर विभाग को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों की मेहनत व समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि भविष्य में विभाग और बेहतर प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान को और मजबूत करेगा।

रादौर में पुलिस पर हमले के मुख्य आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

रादौर। छोटाबांस की डेहा बस्ती में 16 जून को करनाल पुलिस टीम पर हुए हमले के मामले में मुख्य आरोपी समेत पांच आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिका अदालत ने खारिज कर दी है। थाना रादौर प्रभारी इंस्पेक्टर राजेश राणा ने बताया कि पुलिस टीम आरोपी को पकड़ने गई थी, तभी ईंट-पत्थरों से हमला किया गया था। मामले में 15 लोगों के खिलाफ केस दर्ज है। अदालत में सरकार की ओर से पेश दलीलों के बाद जमानत याचिकाएं खारिज की गईं। पुलिस ने कहा कि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई जारी है।

एक्टिवा सवार महिला का पर्स छीनकर बाइक चालक फरार नीचे गिर महिला जख्मी

अंबाला। एसडी कॉलेज के निकट दोपहर में एक बाइक सवार बदमाश ने दिनदहाड़े एक्टिवा सवार सलारहेड़ी गांव की रेशमा देवी (36) का पर्स झपट लिया। इससे महिला असंतुलित होकर सड़क पर गिर गई। बेसुध महिला को उपचार के लिए कैंट के नागरिक अस्पताल पहुंचाया, जहां महिला के सिर पर गहरी लगने के कारण दो टांके आए। अंबाला कैंट थाना पुलिस ने महिला की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस इलाके के सीसीटीवी भी खंगाल रही हैं। सलारहेड़ी की रेशमा देवी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके पति करीब तीन साल से विदेश में काम करते हैं। दोपहर करीब 12:30 बजे वह अपने निजी काम से एक्टिवा पर अंबाला छावनी आ रही थीं। एसडी कॉलेज के पास देव आई क्लीनिक के समीप पीछे से बाइक पर आए एक युवक ने पर्स खींच लिया और गिर गई। पर्स में मोबाइल फोन व 12 हजार रुपये की नकदी व दो सिम थे।

साधु का भेष बनाकर स्नैचिंग करने वाले गिरोह के दो और आरोपी गिरफ्तार

यमुनानगर। स्पेशल स्टाफ पुलिस टीम ने हाईवे पर साधु का भेष बनाकर पानी मांगने के बहाने स्नैचिंग करने वाले गिरोह के दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। स्पेशल सेल इंचार्ज रमन चंदेल ने बताया कि इससे पहले दढ़वा माजरी डेहा बस्ती निवासी अमीरचंद को पकड़ा गया था, जिसने पूछताछ में खुलासा किया था कि वह साधु के भेष में वाहन रुकवाकर स्नैचिंग करता था। उसके दो साथी राहुल और कुलदीप बाइक पर साथ रहते थे और वारदात के बाद फरार हो जाते थे। पुलिस ने दोनों को भी गिरफ्तार कर लिया है।

जठलाना व उन्हेड़ी पंचायतों का कड़ा रुख

अवैध खनन रोकने को खोदे रास्ते

रादौर। जठलाना क्षेत्र में यमुना नदी में हो रहे अवैध खनन को रोकने के लिए अब संबंधित ग्राम पंचायतों ने कमर कस ली है। ग्राम पंचायत जठलाना व ग्राम पंचायत उन्हेड़ी ने संयुक्त रुप से अपने अपने क्षेत्र में अवैध खनन करने के लिए जाने वाले यमुना नदी के रास्तों पर जेसीबी मशीन की मदद से खंडके बना दी हैं। ताकि कोई भी अवैध खनन करके वहां से वाहन नहीं गुजर सके। गांव उन्हेडी के सरपंच प्रतिनिधि मोहित राणा व जठलाना ग्राम पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि बीर सिंह ने बताया कि एसडीएम रादौर के आदेशानुसार अवैध खनन को रोकने के लिए ग्राम पंचायत उन्हेड़ी व ग्राम पंचायत जठलाना ने साथ मिलकर यमुना नदी पर जाने वाले सभी रास्तों पर खुदाई करके खंडकें बना दी गई हैं। ताकि अवैध खनन न हो सके। उन्होंने बताया कि अवैध खनन की रोकथाम के लिए रात के समय में पहरा भी लगाया गया है। ताकि रात्रि के समय अवैध खनन करने वालों को पकड़ा जा सके और उन पर कार्रवाई की जा सके।

यमुनानगर। जठलाना क्षेत्र में यमुनानदी रास्तों पर जेसीबी मशीन से खुदाई करवाते सरपंच प्रतिनिधि।

465 करोड़ रुपये की लागत से पहले चरण का निर्माण, ढाई वर्ष में होगा पूरा

साइट सर्वे शुरू पर्यावरणीय एनओसी के बाद निर्माण होगा आरंभ

देश के पहले श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर का निर्माण जल्द शुरू होगा

■ प्रशासनिक भवन, केंद्रीय पुस्तकालय, अस्पताल, ऑडिटोरियम, छात्रावास समेत आधुनिक सुविधाएं विकसित होंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

वर्षों से जिस पल का विद्यार्थी, शिक्षक, शोधार्थी और आयुष जगत इंतजार कर रहे थे, वह अब साकार होने जा रहा है। देश के पहले श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर के निर्माण की प्रक्रिया आखिरकार शुरू हो गई है। हरियाणा सरकार ने लगभग 465 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले पहले चरण के निर्माण कार्य का टेंडर लुधियाना की दीपक बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड को सौंप दिया है। निर्माण एजेंसी की टीम ने विश्वविद्यालय परिसर का निरीक्षण भी कर लिया है और सोमवार से साइट का विस्तृत सर्वे शुरू किया जाएगा। कंपनी करीब ढाई वर्ष में प्रथम चरण का निर्माण पूरा करेगी। गौरतलब है कि वर्ष 2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुरुक्षेत्र के गांव फतुहपुर में लगभग 100 एकड़ भूमि पर देश के पहले आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा की थी। इसके बाद श्री कृष्ण राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय को अपग्रेड कर श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना की गई, लेकिन तब से विश्वविद्यालय अस्थायी रूप से आयुर्वेदिक महाविद्यालय की इमारत से ही संचालित हो रहा है। अब नए परिसर का निर्माण शुरू होने से विश्वविद्यालय के स्थायी और अत्याधुनिक कैंपस का सपना साकार होने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ गया है। कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान ने कहा कि देश के पहले श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर का निर्माण शुरू होना विश्वविद्यालय के इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव है।

प्रथम चरण में बनेंगे ये प्रमुख भवन

निर्माण एजेंसी के जीएम राजीव ने बताया कि सोमवार से साइट सर्वे शुरू कर दिया जाएगा। पर्यावरण संबंधी आवश्यक एनओसी मिलने के बाद ड्राइंग के अनुसार निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। प्रथम चरण में कुलपति एवं कुलसचिव कार्यालय, प्रशासनिक भवन, परीक्षा शाखा, केंद्रीय पुस्तकालय, अत्याधुनिक ऑडिटोरियम, आयुर्वेदिक अस्पताल, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अस्पताल, आयुर्वेदिक पीजी कॉलेज, रिसर्च एंड इनोवेशन विभाग, विश्वविद्यालय मार्केट, पावर हाउस, पीजी एवं पीएचडी शोधार्थियों के लिए छात्रावास, डायनिंग हॉल, कुलपति एवं कुलसचिव आवास, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के आवास, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम तथा फर्नीचर सहित अन्य आधारभूत सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा।

पानीपत शुगर मिल में लगेगा 90 हजार लीटर क्षमता का एथेनॉल प्लांट

■ 200 करोड़ की लागत आएगी 15 माह में तैयार होगा प्लांट, शीरे-अनाज से बनेगा एथेनॉल

अशोक शर्मा ▶▶ समालखा

पानीपत के डाहर स्थित सहकारी शुगर मील में नए एथेनॉल प्लांट का निर्माण करवाया जाएगा। प्लांट में प्रति दिन 90 हजार लीटर एथेनॉल का उत्पादन हो सकेगा। वहीं, प्लांट के निर्माण पर करीब 200 करोड़ रुपये की लागत आएगी और इस सयंत्र का निर्माण कार्य पंद्रह माह में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस प्लांट में छह माह शीरे व बाकी महिनों में अनाज से एथेनॉल बनेगा। शुगर मील के इस प्लांट से इंडियन ऑयल की पानीपत रिफाइनरी सहित अन्य तेल कंपनियों को एथेनॉल बचेकर मील प्रशासन मुनाफा कमाएगा। यह प्लांट शून्य तरल निर्वहन तकनीक पर आधारित होगा, जिससे पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव कम होगा। इधर, मील प्रशासन ने बताया कि एथेनॉल प्लांट मील परिसर में 10.7 एकड़ भूमि में बनाया जाएगा। प्लांट को लेकर मील अधिकारियों ने होमवर्क पूरा करते हुए इसके निर्माण के टेंडर को उच्च खरीद समिति के पास भेज चुका है। वहीं, पानीपत शुगर मील में लगने वाला एथेनॉल प्लांट प्रदेश में सर्वाधिक क्षमता वाला होगा। जबकि कुरुक्षेत्र के शाहाबाद शुगर मील में एथेनॉल प्लांट की क्षमता 60 हजार लीटर प्रतिदिन है। मील के एथेनॉल प्लांट में छह माह शीरे से प्रयोग होगा, जबकि गन्ना पेराई सीजन बंद होने पर प्लांट में मक्का, चावल, बाजरा से एथेनॉल बनाया जाएगा। शुगर मील के प्रबंधक निदेशक नवदीप नैन ने बताया कि पानीपत शुगर मील में हरियाणा का सर्वाधिक उत्पादन करने वाला एथेनॉल प्लांट लगाया जाएगा। प्लांट में प्रति दिन 90 हजार लीटर एथेनॉल का उत्पादन किया जाएगा और इस पर करीब 200 करोड़ रूपये की लागत आने का अनुमान है। वहीं, मील प्रशासन का प्रयास रहेगा कि अगले 15 माह में प्लांट में एथेनॉल का उत्पादन शुरू हो जाए।

जिले में बनाए गए थे 25 परीक्षा केंद्र, 4935 अभ्यर्थी थे पंजीकृत, 745 रहे अनुपस्थित

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हुआ एचटेट लेवल-3, 4190 ने दी परीक्षा

पुलिस की डायल 112 ने परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने में की परीक्षार्थियों की मदद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

हरियाणा पात्रता परीक्षा (एचटेट लेवल-3) की परीक्षा शनिवार शाम को जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुई। परीक्षा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने के लिए जहां प्रशासनिक अधिकारी दिनभर मुस्तैद रहे।

इस दौरान परीक्षा केंद्रों व उसके आसपास के क्षेत्र में पुलिस व प्रशासन की चप्पे चप्पे पर नजर रही। परीक्षा केंद्रों पर जैमर भी लगे होने से आसपास के क्षेत्रों में मोबाइलों की नेटवर्किंग भी प्रभावित रही। खास बात यह रही कि पुलिस की डायल 112 ने परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने में परीक्षार्थियों की मदद की।

एचटेट लेवल-3 की परीक्षा के लिए ट्विन सिटी में 25 परीक्षा केंद्र बनाए गए। जिनमें शाम तीन बजे से साढ़े पांच बजे तक एचटेट लेवल-3 की परीक्षा हुई। इस दौरान इन परीक्षा केन्द्रों में 4935 अभ्यर्थियों को परीक्षा देने के लिए पहुंचना था। मगर कुल परीक्षार्थियों में से 4190 अभ्यर्थियों ने ही हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा दी है। जबकि 745 अभ्यार्थी परीक्षा में उपस्थित नहीं हुए हैं। इस प्रकार 85 प्रतिशत अभ्यार्थियों ने हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा दी है। उन्होंने बताया कि इस परीक्षा से हजारों बच्चों का भविष्य जुड़ा है। इसलिए किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि को रोकने हेतु विशेष सतर्कता बरती गई है। उन्होंने परीक्षा केन्द्रों पर सेंटर सुपरीडेंट, सुपरवाइजर, ड्यूटी मैजिस्ट्रेट व पुलिस विभाग पेपर डिस्ट्रीब्यूटर व इंविजिलेटर अपनी अपनी ड्यूटी पूरी निष्ठा के साथ की है। इस दौरान परीक्षा केंद्रों पर पार्किंग, फर्स्ट एड और मूलभूत सुविधाओं के इंतजाम किए गए थे। परीक्षार्थियों की सहायता के लिए डायल 112 पूरी तरह सतर्क रही। वहीं, परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए परीक्षा केंद्रों के रुटों पर बसों का संचालन किया गया। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी, बायोमेट्रिक व वीडियोग्राफी भी करवाई गई।

यमुनानगर। शनिवार को एचटेट लेवल-3 देने के लिए परीक्षा केंद्रों के बाहर लगी परीक्षार्थियों की भीड़। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मी भी तैनात किए गए थे।

गड़बड़ी रोकने के पुख्ता इंतजाम

जिला उपायुक्त प्रीति ने बताया कि एचटेट लेवल-3 की परीक्षा के सफल आयोजन को लेकर पुख्ता प्रबंध किए हुए थे। सुरक्षा के लिहाज से प्रशासन पूरी तक सतर्क रहा। यातायात के व्यवस्थित संचालन के लिए पुलिस कर्मी विशेष रूप से तैनात किए गए थे। इस बात का पूरा ख्याल रखा गया कि परीक्षा में किसी तरह की गड़बड़ी न हो।

एसआईआर को हल्के में लेने की भूल न करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर नगर निगम कार्यालय में पार्षदों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता निगमायुक्त महाबीर प्रसाद ने की। मौके पर विशिष्ट अतिथि के रुप में मेयर सुमन बहमनी व भाजपा के जिला अध्यक्ष राजेश सपरा मौजूद रहे।

निगमायुक्त महाबीर प्रसाद ने कहा कि सभी बीएलओ पूरी गंभीरता, जिम्मेदारी और सक्रियता के साथ घर घर जाकर फार्म एकत्रित करें। उन्होंने कहा कि 14 जुलाई से पहले उनका डिजिटलाइजेशन कराएं। उन्होंने सभी पार्षदों से बीएलओ के साथ समन्वय बनाकर कार्य को समय पर पूरा करवाने में मदद किए जाने की अपील की। निगमायुक्त महाबीर प्रसाद ने सभी जनप्रतिनिधियों को आह्वान किया कि वो नागरिकों को मतदाता गणना प्रपत्र 14 जुलाई से पहले भरकर उनका डिजिटलाइजेशन करवाने के लिए जागरूक करें।

उन्होंने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में इन दिनों मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का कार्य चल रहा है। यह अभियान अब अपने अंतिम चरण में है। उन्होंने शहरवासियों से अपील की है कि वे समय रहते अपनी वोट संबंधी प्रक्रिया को पूरा करें। गणना प्रपत्र (फार्म)वितरण का कार्य पूरा होने के बाद अब उन्हें मतदाताओं से वापस प्राप्त किया जा रहा है। प्रत्येक मतदाता आगामी 14 जुलाई तक अपने मतदाता गणना प्रपत्र को बिल्कुल सही और सटीक जानकारी के साथ भरकर अपने संबंधित बीएलओ के माध्यम से उसका डिजिटलाइजेशन अनिवार्य रूप से करवा लें। यदि किसी मतदाता ने निर्धारित समय अवधि के भीतर अपना गणना प्रपत्र जमा नहीं कराया या उसका डिजिटलाइजेशन नहीं हुआ तो ऐसी स्थिति में मतदाता सूची से उसका नाम काटा जा सकता है। उन्होंने कहा कि एक बार सूची से नाम कटने के बाद मतदाताओं को दोबारा नाम जुड़वाने के लिए सरकारी कार्यालयों की दौड़ लगानी पड़ेगी और भारी असुविधा का सामना करना पड़ेगा। इस परेशानी से बचने के लिए सभी जागरूक नागरिक अभी से अपने गणना प्रपत्रों को सही व दुरुस्त तरीके से भरकर तुरंत जमा व डिजिटलाइज कराएं। बैठक के दौरान निगमायुक्त महाबीर प्रसाद ने ने सभी उपस्थित पार्षदों और बीएलओ व निगम अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने वार्डों और क्षेत्रों में जाकर इस विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान करें।

यमुनानगर के निगम कार्यालय में आयोजित पार्षदों की बैठक में दिशा निर्देश देते हुए निगमायुक्त महाबीर प्रसाद। फोटो : हरिभूमि

आम जनता को करें जागरूक

निगमायुक्त महाबीर प्रसाद ने पार्षदों से अनुरोध किया कि वह जनप्रतिनिधि होने के नाते अपने अपने वार्डों में जाकर आम जनता को एसआईआर अभियान के बारे में जागरुक करें। ताकि कोई भी योग्य मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रह जाए। मौके पर सहायक अभियंता सुरेंद्र दहिया, मुख्य सफाई निरीक्षक हरजीत सिंह, मुख्य सफाई निरीक्षक विनोद बेनीवाल, पार्षद रीना रस्तोगी, अरुण कुमार, जयंत स्वामी, भानू प्रताप, प्रियांक शर्मा, विभोर पाहुजा, तिलक राज, श्याम लाल, संदीप धीमान, विक्रम राणा, उज्जवल, पार्षद प्रतिनिधि कृष्ण सिंगला, राहुल, पवन यादव, ईश्वर कांबोज, अंकित व कपिल आदि मौजूद रहे।

नगर निगम के आयुक्त महाबीर प्रसाद की अध्यक्षता में हुई पार्षदों की बैठक

डिजिटलाइजेशन करवाने से चूके तो कट सकता है मतदाता सूची से नाम

गणना प्रपत्र को भरकर बीएलओ को समय पर करवाएं उपलब्धः आहूजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

जिला प्रशासन द्वारा एसआईआर को लेकर लघु सचिवालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा ने मीडिया को एसआईआर कार्य के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

नवीन आहूजा ने कहा कि एसआईआर का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे तथा कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो। इसी उद्देश्य से पूरे देश में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 14 जुलाई तक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) प्रत्येक वर्तमान मतदाता के घर जाकर गणना प्रपत्र वितरित कर रहे हैं।

यमुनानगर। जिला सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में मीडिया को एसआईआर अभियान की जानकारी देते एडीसी नवीन आहूजा। फोटो : हरिभूमि

दस बार किया जा चुका है गहन पुनरीक्षण

अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा ने बताया कि देश में आजादी के बाद अब तक 10 बार गहन पुनरीक्षण किया जा चुका है। अब यह देश में 11वां विशेष पुनरीक्षण चल रहा है। जिन मतदाताओं के गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं होंगे। उनका नाम प्रारूप मतदाता सूची में शामिल नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में बीएलओ द्वारा डुप्लीकेट एक से अधिक प्रविष्टि, मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित, अनुपस्थित, पता न चलने वाला अथवा गणना प्रपत्र पर हस्ताक्षर करने से इंकार जैसे कारण दर्ज किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 14 जुलाई तक प्राप्त हस्ताक्षरित गणना प्रपत्रों के आधार पर मतदाता सूची का प्रारूप तैयार किया जाएगा। 21 जुलाई को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित होगी। वहीं, 21 जुलाई से 20 अगस्त तक दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत की जा सकेंगी।

वीर शिरोमणि राजाराम का मनाया 337वां बलिदान दिवस

रादौर। जाट छात्र संघ रादौर द्वारा शनिवार को कस्बा के जाट नगर में हिन्दू वीर शिरोमणि राजाराम का 337 वां बलिदान दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रुप में समाजसेवी एवं संघ के वरिष्ठ सदस्य साहिल बालयान ने भाग लिया। मौके पर वीर शिरोमणि राजाराम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। बालयान ने कहा कि वीर राजाराम का जन्म सिनसिनी राजस्थान के एक जाट वीर भज्जाराम के घर में हुआ था। उस समय देश में औरंगजेब का आतंक था। उन्होंने औरंगजेब की धर्म विरोधी नीति के खिलाफ बिगुल बजा दिया। उन्होंने कूटनीति से जाटौली थून की 575 गांवों की जमींदारी सम्भाली और धर्मसेना को मजबूत किया। इस तरह कुन्तल, आगरा, फतेहपुर सीकरी व धौलपुर के जाट सरदारों को एकता के सूत्र में पिरोया। मुगलों के अत्याचारों से तंग होकर वीर राजाराम ने मुगलों को दण्ड देने के लिए आगरे पर हमला कर दिया और आगरा जिले से मुगल शासन का अंत कर दिया। मई 1686 में सफदरजंग ने राजाराम का मुकाबला किया। किन्तु बेचारे को भागना पड़ा और अपने पुत्र आजमखां को मुकाबले के लिए भेजा। आजमखां के आने से पहले ही राजाराम ने सिकन्दरे पर आक्रमण कर दिया। मुगलों के 400 आदमियों को जहन्नुम रशीद कर दिया। राजाराम मुगलों से लोहा लेते हुए 4 जुलाई 1688 को शहीद हो गए।

लिपिक वर्ग का वेतन बढ़ाए जाने पर क्लेरिकल एसोसिएशन के सदस्यों ने जताई खुशी

रादौर। हरियाणा सरकार के वित्त विभाग ने क्लेरिकल एसोसिएशन वेलफेयर सोसाइटी के अनुमोदन पर लिपिक वर्ग को अतिरिक्त वेतनवृद्धि देकर बड़ी राहत दी है। वेतन बढ़ाए जाने पर शनिवार को एसोसिएशन के सदस्यों ने मिठाई बांटकर खुशी जताई। क्लेरिकल एसोसिएशन वेलफेयर सोसाइटी के जिला सचिवा तरसेम कुमार ने बताया कि एसोसिएशन ने वेतन बढ़ाए जाने का श्रेय सीएडब्ल्यूएस के पदाधिकारियों व सदस्यों को दिया है। आज सीएडब्ल्यूएस हरियाणा के लिपिकीय कर्मचारियों की एकता, सम्मान एवं अधिकारों की बुलंद आवाज बनकर उभरा है। यह सफलता भारतीय मजदूर संघ के निरंतर मार्गदर्शन, सहयोग और प्रदेश के हजारों लिपिक कर्मचारियों की एकजुटता का परिणाम है। इसके लिए सीएडब्ल्यूएस हरियाणा ने भारतीय मजदूर संघ एवं हरियाणा सरकार का हार्दिक आभार व्यक्त किया है। जिन्होंने लिपिक वर्ग की मांग पर गंभीरता से विचार कर यह कर्मचारी हितैषी फैसला लिया। सीएडब्ल्यूएस हरियाणा सरकार से अपेक्षा करती है कि भविष्य में भी लिपिकीय वर्ग के लिए इस प्रकार के हितैषी निर्णय लिये जाते रहेंगे। इस अवसर पर एसोसिएशन के जिला कोषाध्यक्ष विजय कुमार, प्रेस सचिव गौरव कुमार, विजय, महिला अध्यक्ष नीलम नेहरा, विकास जैन मौजूद रहे।

खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए मदद कर रही प्लाइवुड एसोसिएशन : कंवरपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

प्लाइवुड एसोसिएशन जगाधरी यमुनानगर द्वारा पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल के सहयोग से क्षेत्र के खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी कड़ी में एसोसिएशन के सदस्यों ने शनिवार को पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल के सहयोग से क्षेत्र के गांव नवाजपुर के धावक अनिल कुमार को एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की है।

पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने बताया कि खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने की दिशा में आज प्लाइवुड एसोसिएशन जगाधरी यमुनानगर के पदाधिकारियों द्वारा सराहनीय कदम उठाया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने जगाधरी विधानसभा क्षेत्र के गांव नवाजपुर के धावक अनिल कुमार को आगामी दो अगस्त को थाइलैंड में होने वाली एथलैटिक्स चैंपियनशिप प्रतियोगिता में 42 किलोमीटर दौड़ में भाग लेने के लिए तैयारियों को लेकर एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की है। यह सहयोग राशि पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर के विशेष प्रयासों और मार्गदर्शन से संभव हो सकी है। पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने कहा कि धावक अनिल कुमार को वह पहले भी बहुत बार विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से सहायता मुहैया करवा चुके हैं। मौके पर प्लाइवुड एसोसिएशन के वरिष्ठ पदाधिकारी सतीश चौपाल और सतीश सैनी ने धावक अनिल कुमार को सहायता राशि का चेक सौंपते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर भाजयुमो जिलाध्यक्ष निशचल चौधरी, भाजपा जिला यमुनानगर मीडिया प्रमुख कपिल मनीष गर्ग व राहुल गढी आदि मौजूद रहे।

यमुनानगर। जगाधरी में धावक अनिल कुमार को सहयोग राशि का चेक सौंपते एसोसिएशन के पदाधिकारी व पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल। फोटो : हरिभूमि

न्यूज डायरी

बच्ची के साथ दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार

यमुनानगर। नौ वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच कर रहे छछरौली थाना प्रभारी वेदपाल ने बताया कि एक महिला ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि वह अपने लड़के व पति के साथ अपने मायके में गई थी। शाम को घर वापस आए तो उसकी 9 वर्षीय लड़की सहमी सी थी। पूछने पर लड़की ने बताया कि मोहित नामक युवक ने उसके साथ गलत काम किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने पॉक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को अदालत में पेश कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

नवीन कृषि संकल्प अभियान 7 जुलाई सेः राणा

रादौर। कुरुक्षेत्र लोकसभा से सांसद नवीन जिन्दल के मार्गदर्शन में उनके संसदीय क्षेत्र में नवीन कृषि संकल्प अभियान का शुभारंभ किया जा रहा है। अभियान किसानों के लिए अन्न भंडारण व्यवस्था के लिए नई सोच, नई तकनीक और नए अवसरों के द्वार खोलेगा। अभियान का शुभारंभ 7 जुलाई को रादौर के सफल पैलेस में आयोजित कार्यक्रम में कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा द्वारा किया जाएगा। उक्त जानकारी भाजपा के वरिष्ठ नेता नेपाल राणा ने शनिवार को दी। मौके पर सांसद नवीन जिंदल के स्थानीय कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह, कैथल कार्यालय प्रभारी रविन्द्र धीमान व अभियान कोर्डिनेटर ईशान पांडे मौजूद रहे। इस दौरान अभियान का पोस्टर भी लांच किया गया। नेपाल राणा ने कहा कि सांसद नवीन जिन्दल के मार्गदर्शन में इस अभियान के अंतर्गत किसान लाभान्वित होंगे। कार्यक्रम में किसानों को कृषि विशेषज्ञों से सीधे जुड़ने का अवसर मिलेगा। उन्हें प्राकृतिक खेती, अन्न भंडारण, फसल विविधीकरण, पर्यावरण संरक्षण और सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। मौके पर सांसद के स्थानीय कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने कहा कि सांसद नवीन जिन्दल का लक्ष्य है कि विकसित भारत निर्माण में किसान अपनी भागीदारी करें। नवीन कृषि संकल्प अभियान किसानों के भविष्य को सशक्त बनाने का एक रोडमैप है। सांसद नवीन जिन्दल का मानना है कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की सबसे मजबूत रीढ़ हैं। यदि किसान समृद्ध होगा तो भारत का भविष्य और भी सशक्त होगा। उन्होंने बताया कि नवीन कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत किसानों को विकसित भारत के निर्माण में सशक्त भागीदार बनाने पर विशेष बल दिया जाएगा।

सरकारी स्कूल व सब्जी दुकान से हुई चोरी

यमुनानगर। चोरों ने सरकारी स्कूल व सब्जी की दुकान को निशाना बनाकर हजारों रुपये का सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार पिंजौरा निवासी ममता सचदेव ने बताया कि वह जीपीएस सरकारी स्कूल में कार्यरत है। छह जून को चोरों ने स्कूल में घुसकर सामान चुरा लिए, जिसकी कीमत करीब साढे सात हजार रुपये है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। उधर, साढ़ौरा निवासी राजेश कुमार ने बताया कि उसकी कस्बे में फ्रूट व सब्जी की दुकान है। चोरों ने दो जुलाई की रात को उसकी दुकान का ताला तोड़कर अंदर से सब्जी व फ्रूट तथा इलेक्ट्रॉनिक कांटा चोरी कर लिया। चोरी हुए सामान की कीमत करीब 20 हजार रुपए है। उसने चोरी की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

वृद्धाश्रम जगाधरी में हुआ पांच दिवसीय अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम

युवाओं को सैद्धांतिक ज्ञान प्रदान करना समय की मांग

ऐसे कार्यक्रमों से युवाओं में जागृत होती है वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान की भावना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

माई भारत यमुनानगर के तत्वावधान में वृद्धाश्रम जगाधरी में चल रहे पांच दिवसीय अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। कार्यक्रम के समापन पर मुख्यातिथि के रूप में माई भारत की निदेशक ओमकार स्वामी ने भाग लिया। कार्यक्रम में दर्जन भर विद्यार्थियों ने भाग लिया।

उप निदेशक ओमकार स्वामी ने बताया कि माई भारत द्वारा आयोजित अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं को केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित रखना नहीं है। बल्कि उन्हें समाज के विभिन्न वर्गों के साथ जोड़कर वास्तविक जीवन के अनुभवों से सीखने का अवसर प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं में सामाजिक उत्तरदायित्व, संवेदनशीलता, सहानुभूति, नेतृत्व क्षमता तथा वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि जब युवा बुजुर्गों के जीवन संघर्ष, अनुभव एवं मूल्यों को निकट से समझते हैं। तब उनमें समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का बोध और अधिक सशक्त होता है। कार्यक्रम में प्रतिभागी दिव्या, कनिष्का, वृंदा, पलक व खुशी समेत अन्य युवाओं ने वृद्धाश्रम में रह रहे वरिष्ठ नागरिकों के साथ समय व्यतीत किया। विद्यार्थियों ने बुजुर्गों से आत्मीय संवाद कर उनके जीवन के अनुभवों, संघर्षों एवं प्रेरणादायक कहानियों को सुना। इस दौरान सभी ने मिलकर अंताक्षरी, संवाद एवं अन्य मनोरंजक गतिविधियों में भाग लिया। जिससे दोनों पीढ़ियों के बीच आत्मीयता और अपनत्व का वातावरण बना।

यमुनानगर। जगाधरी में वृद्धाश्रम में अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम के समापन के मौके पर बुर्जुग व प्रतिभागी पौधरोपण करके स्वच्छता का संदेश देते हुए। फोटो : हरिभूमि

पौधे लगा दिया संदेश

कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों व वृद्धाश्रम के वरिष्ठ नागरिकों ने संयुक्त रूप से पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सभी ने पौधों की देखभाल का संकल्प लेते हुए प्रकृति संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। प्रतिभागियों ने बताया कि वृद्धाश्रम में बिताए गए पांच दिन उनके जीवन के सबसे प्रेरणादायक अनुभवों में से एक रहे। वरिष्ठ नागरिकों के साथ बिताए गए समय ने उन्हें जीवन के महत्वपूर्ण मूल्यों, धैर्य, सकारात्मक सोच तथा पारिवारिक और सामाजिक संबंधों के महत्व को समझने का अवसर प्रदान किया।

छोटी उम्र में बड़ा कारनामा

समृद्धि शर्मा ने इंडिया और एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज कराया नाम

1 मात्र 4 मिनट 4 सेकंड की समयावधि में 12 एडवांस योगासन किए

2 अब गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराना लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र की बेटी समृद्धि शर्मा ने मात्र 4 मिनट 4 सेकंड की समयावधि में 12 एडवांस योगासन करते हुए इंडिया और एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना दर्ज करवाकर अपने जिले कुरूक्षेत्र, हरियाणा प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल कुरुक्षेत्र की कक्षा 10वीं की छात्रा समृद्धि शर्मा की इस उपलब्धि पर पूर्व मंत्री सुभाष सुधा ने उनका सम्मान करते हुए समृद्धि के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उनके परिजनों को भी बधाई दी।

लोगों से योग से जुड़कर निरोग रहने का आह्वानः सुधा

पूर्व मंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार युवाओं को खेलों से जोड़ने के लिए अनेक कदम उठा रही है। योग के क्षेत्र में हर घर योग, घर घर योग कार्यक्रम चलाकर देश की जनता को योग से जुड़कर निरोग रहने का आह्वान किया जा रहा है। इसी दिशा में समृद्धि शर्मा ने मात्र 14 वर्ष, 5 माह और 30 दिन की उम्र में ही सिर पर जलता हुआ दीया संतुलित रखते हुए सिर्फ 4 मिनट 4 सेकंड में 12 एडवांस्ड योग आसनों का सफल प्रदर्शन किया। इस अनोखी उपलब्धि के लिए समृद्धि का नाम इंडिया बुक्स ऑफ रिकॉर्ड्स और एशिया बुक्स ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। सुभाष सुधा ने कहा कि समृद्धि शर्मा योग की एक उभरती हुई प्रतिभा है जिन्होंने कम उम्र में ही ब्लॉक, जिला, राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। वे ब्लॉक स्तरीय और जिला स्तरीय योग चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता, अस्मिता खेलो इंडिया सिटी लीग की स्वर्ण पदक विजेता, डी.ए.वी. नेशनल गेम्स पदक विजेता तथा खेलो इंडिया प्रतियोगिता में टॉप-10 में स्थान प्राप्त कर चुकी हैं।

लाखों युवा खिलाड़ियों के लिए बनी प्रेरणा

समृद्धि की इस उपलब्धि ने न केवल कुरुक्षेत्र और हरियाणा, बल्कि पूरे भारत का गौरव बढ़ाया है। अब उनका अगला लक्ष्य दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित उपलब्धियों में शामिल गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराना है। इसके लिए वह लगातार कठिन अभ्यास और समर्पण के साथ तैयारी कर रही हैं। सहायक जिला शिक्षा अधिकारी खेल जसबीर सिंह ने कहा कि समृद्धि शर्मा की सफलता आज देश के लाखों युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बन चुकी है। उनकी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प यह साबित करते हैं कि अगर लक्ष्य स्पष्ट हो और प्रयास निरंतर हों, तो कोई भी सपना असंभव नहीं होता। उम्मीद है कि समृद्धि आने वाले समय में और भी बड़ी उपलब्धियाँ हासिल कर कुरुक्षेत्र, हरियाणा और भारत का नाम विश्वभर में रोशन करेंगी। वहीं समृद्धि के पिता दिनेश शर्मा ने कहा कि समृद्धि ने योग की प्रेरणा अपने दादा आर्मी से से रिटायर्ड कैप्टन बलदेव कृष्ण जी से ली है। उन्होंने बताया कि वे शांति नगर में रहते हैं। उनकी पत्नी गृहिणी है। उनके पिता यानी समृद्धि के दादा प्रतिदिन सुबह 1 से डेढ़ घंटा योग करते हैं। उन्हें देखकर समृद्धि का लगाव योग से हुआ और वे 7 वर्ष की उम्र में ही नियमित रूप से योग करने लगी। उसने योग की अनेक अनेक प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक हासिल किये और अब इंडिया और एशिया बुक्स और रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज करवाया है। अब समृद्धि का अगला लक्ष्य गिनीज़ बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज करवाने का है।

खबर संक्षेप

एनएसएस स्वयंसेवकों को पढ़ाया अनुशासन का पाठ

कुरुक्षेत्र। श्रीमद्भगवद्गीता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कुरुक्षेत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के कार्यक्रम का शुभारंभ लक्ष्य गीत के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी पुनीत डोडा ने कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य, इतिहास, महत्व तथा /"एनएसएस/" के पूर्ण स्वरूप की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि एनएसएस से जुड़ने के बाद वे समाज सेवा, अनुशासन, नेतृत्व एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने वाले स्वयंसेवक बन जाते हैं।

स्वामी विवेकानंद के जीवन से जुड़े प्रसंग किए प्रस्तुत

थानेसर। स्वामी विवेकानंद युवा चेतना के प्रेरणास्रोत,आध्यात्मिक गुरु और भारतीय संस्कृति को वैश्विक पहचान दिलाने वाले महान क्रांतिकारी योद्धा संन्यासी थे। अपनी अल्प आयु में ही स्वामी विवेकानंद ने भारत के ज्ञान, संस्कृति और दर्शन को पूरी दुनिया में पहुंचाने का काम किया। अमेरिका में आयोजित सर्वधर्म सम्मेलन में उन्होंने अपने एक ही संबोधन से सनातन धर्म के विश्व बंधु के संदेश से पूरे संसार को परिचित कराया। यह विचार स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर मातृभूमि सेवा मिशन के संस्थापक डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र ने मातृभूमि शिक्षा मंदिर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वस्ति वाचन से हुआ।

विद्यार्थियों को कानूनी अधिकारों के बारे में बताया

कुरुक्षेत्र। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों में सुरक्षा, अनुशासन और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एसटी थॉमस कॉन्वेंट स्कूल, लोटस ग्रीन सिटी, सेक्टर-09, कुरुक्षेत्र में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा, पॉश अधिनियम, पोक्सो अधिनियम एवं डॉग बाइट जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के विशेषज्ञों ने छात्र-छात्राओं को कानूनी अधिकारों और आपातकालीन स्थितियों में बरते जाने वाले कदमों की विस्तृत जानकारी दी।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया 128वीं जन्मोत्सव

युवाओं एवं स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानव सेवा का दिया संदेश

भारत रत्न गुलजारी लाल नंदा का जीवन राष्ट्र सेवा व नैतिक मूल्यों की प्रेरणा: सुधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय एवं कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में भारत रत्न एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय गुलजारीलाल नंदा की 128वीं जयंती शनिवार को श्रद्धा, सेवा, संस्कार और स्वदेशी की भावना के साथ अत्यंत धूमधाम एवं गरिमामय वातावरण में मनाई गई। पूरे दिन आयोजित कार्यक्रमों में शिक्षाविदों, प्रशासनिक अधिकारियों, सामाजिक संगठनों, विद्यार्थियों तथा बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर नंदा जी के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। समारोह के मुख्य अतिथि हरियाणा सरकार के पूर्व मंत्री सुभाष सुधा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने की। अतिथियों ने भारत रत्न गुलजारीलाल नंदा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके राष्ट्र निर्माण, श्रमिक कल्याण, सादगीपूर्ण जीवन और नैतिक मूल्यों पर आधारित सार्वजनिक जीवन को देश के लिए प्रेरणा स्रोत बताया। प्रातःकालीन कार्यक्रम भारत रत्न गुलजारीलाल नंदा संग्रहालय एवं पुस्तकालय, ब्रह्मसरोवर में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन-यज्ञ से प्रारंभ हुए। पूर्णाहुति के उपरांत आयोजित प्रथम रक्तदान शिविर में युवाओं एवं स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का संदेश दिया। डॉ. ममता सचदेवा, अध्यक्षा, मैत्रयी शाखा द्वारा जिन विद्यार्थियों ने स्टाल लगाए उनको सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि हरियाणा सरकार के पूर्व मंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि भारत रत्न स्वर्गीय गुलजारीलाल नंदा का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, ईमानदारी, सादगी और नैतिक मूल्यों का अनुपम उदाहरण है।

कुरुक्षेत्र। भारत रत्न स्व. गुलजारी लाल नंदा के जन्मदिवस पर नमन करते हुए पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा, कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा व अन्य।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर थानेसर विधायक अशोक अरोड़ा, डॉ. ममता सचदेवा, कुलसचिव प्रो. वीरेंद्र पाल, केडीबी मानद सचिव उपेंद्र सिंघल, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.आर. चौधरी, खेल निदेशक प्रो. डीएस राणा, मुख्य सुरक्षा अधिकारी डॉ आनंद कुमार, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश, डॉ अजय जांगड़ा, डॉ जितेंद्र जांगड़ा, डॉ. कुलदीप आर्य, रविंद्र सांगवान 48 कोस मॉनिटरिंग कमेटी के अध्यक्ष, मदन मोहन छाबड़ा, केडीबी सदस्य अशोक रोशा, रोशन बेदी, हरमेश सैनी, अलकेश मोदगिल, विजय नरूला, सौरभ चौधरी सदस्य मेला प्राधिकरण, प्रो. सीडीएस कौशल, बलवान जांगड़ा, कुंटिया प्रधान राजवंत कौर, ताराचंद, संत कुमार, राजेश जोशी, मौनी बाबा गोशाला, अलवर-अनुयाई गुलजारी लाल नंदा, ब्रह्मानंद शर्मा, ट्रस्टी, महातीर्थ गोधाम, पथमेडा, सांचोर, जालौर राज, गोरधन लाल खेमानी श्रीनारायण गौशाला, बहादुरपुर, अशोक सैन, विनोद गर्ग समाजसेवी मौजूद रहे।

कुरुक्षेत्र के विकास में गुलजारी लाल नंदा के योगदान को नहीं भुलाया जा सकता : अरोड़ा

कुरुक्षेत्र। थानेसर के विधायक एवं हरियाणा के पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. गुलजारी लाल नंदा के जन्मदिन पर सदाचार स्थल पर जाकर नंदा जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके नमन किया। इस अवसर पर उनके साथ नगर पार्षद मनु जैन, सुभाष मिजार्पुर, विवेक भारद्वाज डब्बू, पूर्व पार्षद गौरव शर्मा गौरी तथा पूर्व पार्षद ओमप्रकाश ओपी ने भी नंदा जी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। स्व. नंदा जी को शत शत नमन करते हुए अशोक अरोड़ा ने कहा कि भारत रत्न स्व. गुलजारी लाल नंदा सफेद कपड़ों में सही मायनों में संत थे। राजनीति में आने के पश्चात जहां राजनीतिक जिम्मेवारियों को निभाया, वहीं उनका धर्म के प्रति गहरा लगाव था। कुरुक्षेत्र के विकास के लिए जो कार्य उन्होंने किया, उसके लिए कुरुक्षेत्र की जनता उनकी हमेशा ऋणी रहेगी। कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड की स्थापना करवाकर नंदा जी ने विश्व प्रसिद्ध कुरुक्षेत्र के ब्रह्मसरोवर को भव्य रूप दिया। जो कि पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। उन्होंने कुरुक्षेत्र के विकास की जो नींव रखी, सभी सरकारों ने नंदा जी के कार्य को आगे बढाया। हम सभी को प्रण लेना चाहिए कि नंदा जी ने विकास की जो नींव रखी थी, उसको मिलजुकर आगे बढाएं। अरोड़ा ने कहा कि आज श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय भी नंदा जी की देन है। उन्होंने कुरुक्षेत्र में श्रीकृष्ण आयुर्वेदिक कालेज शुरू किया, जिसका बाद में हरियाणा सरकार ने अधिग्रहण किया और आज वह महाविद्यालय आयुष विश्वविद्यालय का रूप ले चुका है।

युवा नंदाजी के आदर्शों को अपनाकर विकसित भारत के निर्माण में दें योगदान

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि भारत रत्न गुलजारीलाल नंदा भारतीय लोकतंत्र की उन महान विभूतियों में से एक थे, जिन्होंने अपने सिद्धांतों और मूल्यों से सार्वजनिक जीवन की गरिमा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनका जीवन सादगी, सत्यनिष्ठा, सेवा और राष्ट्र के प्रति पूर्ण समर्पण का प्रतीक था। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल ज्ञान का केंद्र ही नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक मूल्यों के संवर्धन का भी प्रमुख माध्यम है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, सामाजिक उत्तरदायित्व, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी के प्रति सम्मान और मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करते हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नंदा जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाकर विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान दें। समारोह के सफल आयोजन पर केन्द्र की निदेशिका प्रो. शुचिस्मिता ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों, स्वयंसेवकों, सामाजिक संगठनों तथा सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सेवा, संस्कार, पर्यावरण संरक्षण और स्वदेशी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ महान विभूतियों के आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाने का प्रभावी माध्यम हैं।

सीजीएमपी स्कूल में पुष्पांजलि की अर्पित

लाडवा। संजय गांधी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, धनौरा-लाडवा में भारत के पूर्व कार्यवाहक प्रधानमंत्री गुलजारीलाल नंदा जी की जयंती एवं महान दार्शनिक, आध्यात्मिक गुरु और युवा प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद जी की पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधान पवन गर्ग ने दोनों महान विभूतियों के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि गुलजारीलाल नंदा जी का सादगीपूर्ण जीवन, ईमानदारी, राष्ट्रभक्ति एवं जनसेवा का भाव हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। वहीं स्वामी विवेकानंद जी के विचार आज भी युवाओं को आत्मविश्वास, चरित्र निर्माण, राष्ट्रप्रेम तथा मानव सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं।

स्वामी विवेकानंद ने भारतीय संस्कृति को विश्व में दिलाई नई पहचान : सुधा

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के फैकल्टी लॉज के प्रांगण में शनिवार को स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि के अवसर स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर हरियाणा सरकार के पूर्व मंत्री सुभाष सुधा, कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा, कुलसचिव प्रो. वीरेन्द्र पाल सहित विश्वविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों ने पुष्प अर्पित किए। पूर्व मंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा, आध्यात्मिक चेतना, आत्मविश्वास और मानव कल्याण के प्रति समर्पित रहा। उन्होंने युवाओं में आत्मबल, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति का संचार किया तथा भारतीय संस्कृति और सनातन मूल्यों को विश्व पटल पर नई पहचान दिलाई। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी यदि स्वामी विवेकानंद के विचारों और आदर्शों को अपने जीवन में अपनाए तो भारत को विकसित, आत्मनिर्भर और विश्वगुरु बनाने का सपना साकार किया जा सकता है। कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि आज पूरे देश में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई जा रही है। वह एक महान संत, विचारक और आध्यात्मिक गुरु थे जिन्होंने अपने ज्ञान, प्रेरक भाषणों और विचारों से न सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया को दिशा दी। स्वामी विवेकानंद सदैव युवाओं के प्रेरणास्रोत और आदर्श व्यक्तित्व के धनी माने जाते रहे हैं जिन्हें ओजस्वी विचारों और आदर्शों के कारण ही जाना जाता है।

9 जुलाई को होगा कुरुक्षेत्र एलिवेटेड रेलवे ट्रैक का ट्रायल, पीएम जल्द करेंगे उद्घाटन

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि केंद्र और हरियाणा सरकार के सहयोग से कुरुक्षेत्र एलिवेटेड रेलवे ट्रैक का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। उन्होंने बताया कि रेलवे विभाग द्वारा इस ट्रैक पर 9 जुलाई को ट्रायल किया जाएगा, जबकि परियोजना का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। उन्होंने इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया। सुभाष सुधा ने कहा कि गीता स्थली एवं विश्व प्रसिद्ध पर्यटन नगरी कुरुक्षेत्र को सरकार ने एलिवेटेड रेलवे ट्रैक और प्रस्तावित बाईपास जैसी बड़ी सौगातें दी हैं। उन्होंने बताया कि छोटे रेलवे स्टेशन (थानेसर) पर पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए आधुनिक एवं उच्च स्तरीय सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। पूर्व राज्यमंत्री ने थानेसर स्थित निमार्णाधीन एलिवेटेड रेलवे ट्रैक परियोजना का निरीक्षण कर अधिकारियों से प्रगति रिपोर्ट ली। उन्होंने कहा कि परियोजना को जल्द शुरू करने के लक्ष्य के साथ अंतिम चरण का कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। इस परियोजना के पूरा होने के बाद शहर के लोगों को पांच रेलवे फाटकों से मुक्ति मिलेगी, जिससे यातायात सुगम होगा और श्रद्धालुओं को भी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने बताया कि सरकार रेलवे स्टेशन से भद्रकाली मंदिर तक सीधा कॉरिडोर विकसित करने की योजना पर भी कार्य कर रही है। इस परियोजना के माध्यम से रेलवे स्टेशन को सीधे मंदिर से जोड़ा जाएगा।

प्रदेश सरकार ने 7 सड़कों के निर्माण के लिए पारित किया 11.13 करोड़ का बजट

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि प्रदेश सरकार की तरफ से 7 सडकों के निर्माण के लिए 11.13 करोड रुपए का बजट पारित किया गया है। इन सडकों के निर्माण की जिम्मेवारी लोक निर्माण विभाग को सौंपी गई है। इस विभाग की तरफ से लगभग 15 किलोमीटर लम्बी 7 सडकों का निर्माण किया जाएगा। इन सडकों के निर्माण से दर्जनों गांव को लाभ मिलेगा और सडकों से सम्बन्धित समस्याओं से निजात भी मिलेगी। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा शनिवार को निवास कार्यालय पर कार्यकतार्ओं से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के प्रयासों से ही थानेसर हल्का का चहुंमुखी विकास कार्य उगुणा गति के साथ किया जा रहा है। इस हल्का में 7 सडकों का निर्माण कार्य किया जाएगा। इस कार्य के लिए प्रदेश सरकार ने 11 करोड 13 लाख रुपए का बजट पारित किया है। इस कार्य को लोक निर्माण विभाग की तरफ से जल्द शुरू किया जाएगा और निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष फोकस रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग की तरफ से ढांड रोड से बारना और हथीरा तक 6.30 किलोमीटर सडक का निर्माण किया जाएगा। इसी तरह ढांड रोड से गुरुकुल तक 0.58 किलोमीटर, गुरुद्वारा छठी पातशाही से आरओबी (शर्मा टाइप कॉलेज) वाया परशुराम चौक रेलवे रोड 1.63 किलोमीटर, पलवल से खेडी रामनगर 2.28 किलोमीटर, गीता स्थली ज्योतिसर से रेलवे स्टेशन ज्योतिसर तक 2 किलोमीटर, पिहोवा रोड से गुलाबगढ 1.40 किलोमीटर, एसके रोड से खेडी मारकंडा से सिरसला, कसेरला, गांव कनीपला के लिए 0.41 किलोमीटर सडक का निर्माण कार्य किया जाएगा।

अशोक अरोड़ा भाजपा की छोड़ कांग्रेस की चिंता करें : चुघ

कुरुक्षेत्र। नगर पार्षद सुधीर चुघ ने थानेसर के विधायक एवं पूर्व मंत्री द्वारा भाजपा में गुटबाजी को लेकर दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि अशोक अरोड़ा को भाजपा की चिंता छोड़कर अपनी पार्टी कांग्रेस की स्थिति पर ध्यान देना चाहिए। सुधीर चुघ ने आरोप लगाया कि कांग्रेस में कार्यकर्ता स्तर से लेकर बड़े नेताओं तक व्यापक गुटबाजी है। ऐसे में भाजपा में गुटबाजी को लेकर बयान देना हास्यास्पद प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक अनुशासित संगठन है, जहां सभी निर्णय सर्वसम्मति और संगठनात्मक प्रक्रिया के तहत लिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकतार्ओं के सुझावों और संगठन की कार्यप्रणाली के अनुसार काम करती है जबकि कांग्रेस में आंतरिक मतभेद और गुटबाजी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। सुधीर चुघ ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी के संविधान और अनुशासन के अनुरूप कार्य करता है। उन्होंने अशोक अरोड़ा को सलाह दी कि वे भाजपा के बजाय अपनी पार्टी कांग्रेस के संगठनात्मक हालात पर ध्यान दें।

कार्यक्रम आयुष विभाग ने गांव कलाल माजरा के विद्यालय में लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

वर्षा ऋतु में घर एवं आसपास स्वच्छता बनाए रखना जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. मंजू शर्मा ने कहा कि आयुष विभाग व जिला प्रशासन के तत्वाधान में गांव कलाल माजरा के राजकीय विद्यालय में विद्यालय स्वास्थ्य एवं जनजागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में रोगों की रोकथाम, स्वस्थ जीवनशैली, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा आयुर्वेद एवं योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष ने विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए डेंगू, मलेरिया एवं चिकनगुनिया जैसे वेक्टर जनित रोगों से बचाव के प्रभावी उपायों की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि वर्षा ऋतु में घर एवं आसपास स्वच्छता बनाए रखना, पानी को कहीं भी एकत्र न होने देना, मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाना तथा संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेना इन रोगों की रोकथाम के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस शिविर के दौरान छात्राओं को मासिक धर्म के समय व्यक्तिगत स्वच्छता, संतुलित आहार, पर्याप्त जल सेवन तथा स्वच्छ एवं सुरक्षित सेनेटरी उत्पादों के उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इसके साथ ही उन्हें इस विषय से जुड़े सामाजिक संकोच से मुक्त होकर स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया गया। इस शिविर में योग सहायक राय सिंह एवं अनु ने विद्यार्थियों को योगाभ्यास, प्राणायाम एवं सरल दैनिक योग क्रियाओं का अभ्यास करवाया तथा बताया कि नियमित योग शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाकर रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक है। इस शिविर में लगभग 67 विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यकतानुसार फार्मासिस्ट धर्मवीर द्वारा निःशुल्क आयुष औषधियों का वितरण किया गया।

मोबाइल मेडिकल यूनिट्स ने 318 लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं कराई उपलब्ध

कुरुक्षेत्र। नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा शनिवार को दो मोबाइल मेडिकल यूनिट्स के माध्यम से थानेसर विधानसभा क्षेत्र स्थित ओपी जिन्दल पार्क में, 318 लोगों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गई। इस दौरान स्थानीय नागरिकों ने अपने घरों के नजदीक ही निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाया। आसपास के गांवों से पहुंचे लोगों ने भी स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त किया। चिकित्सक डॉ. पूर्णमल और डॉ. प्रमोद ने बताया कि आज मरीजों की विस्तृत स्वास्थ्य जांच की गई तथा उनकी स्थिति के अनुसार आवश्यक परामर्श दिया गया। इस दौरान रक्तचाप, मधुमेह सहित अन्य सामान्य बीमारियों की जांच की गई। इस अवसर पर 258 जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं, जबकि 60 लोगों के रक्त और युरिन परीक्षण मौके पर ही किए गए।

खबर संक्षेप

चोरी के मामलों में पांच आरोपी दबोचे

अंबाला। बाइक चोरी के अलग-अलग दो मामलों में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मामले में संलिप्त पांच आरोपियों को काबू किया। सहायक उप निरीक्षक प्रवीण कुमार ने बताया कि शिकायतकर्ता रोहित वासी गांव मोहड़ी ने 8 मई 2026 को शिकायत दी थी कि 7 मई 2026 को अंबाला शहर स्थित हेयर ड्रेसर दुकान से आरोपी ने उसकी बाइक चोरी कर ली है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी थी। इस मामले में पुलिस ने संलिप्त आरोपी मंदीप सिंह उर्फ जग्गी व कुणाल तथा बंटी को को गिरफ्तार किया। पंजाब के रहने वाले इन आरोपियों के खिलाफ पहले भी बाइक चोरी के मामले दर्ज हैं। दूसरा मामला नारायणगढ़ का है। यहां शिकायतकर्ता सोहन लाल वासी गांव संगरानी ने 27 जून 2026 को शिकायत दी थी कि 26 जून 2026 को गांव संगरानी से आरोपी ने उसकी बाइक चोरी की है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मामले में संलिप्त आरोपी मेजर सिंह उर्फ लड्डू को चोरीशुदा बाइक समेत काबू किया है। इस मामले में 27 जून 2026 को आरोपी गुरजंअ को पहले ही गिरफ्तार किया गया है।

जेवर चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला शहर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सोना-चांदी जेवरात व नकद राशि चोरी करने के मामले में दूसरे आरोपी को काबू किया। मुख्य सिपाही त्रिलोक चन्द ने बताया कि पीड़ित महिला ने 21 मई 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपियों ने घर से उसके व उसकी पुत्री के सोना-चांदी जेवरात तथा नकद राशि चोरी की है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पुलिस ने कार्रवाई करते मामले में संलिप्त दूसरे आरोपी बलविंद्र सिंह को गिरफ्तार कर उससे 25 हजार की नकद राशि बरामद की है। इस मामले में संलिप्त अब तक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी बलविंद्र सिंह के खिलाफ पहले भी चोरी के कई मामले दर्ज हैं।

मारने की धमकी देने के मामले में आरोपी दबोचे

अंबाला। थाना मुलाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मारपीट कर चोट पहुंचाते हुए जान से मारने की धमकी देने के मामले में चार आरोपियों को काबू किया है। जांच अधिकारी उप निरीक्षक सुरेंद्र सिंह ने बताया कि इस मामले में शिकायतकर्ता शेर सिंह ने 3 जून 2026 को शिकायत दी थी कि 1 जून 2026 को गांव जमाल माजरा सलेहपुर में आरोपी विरेंद्र सिंह व अन्य ने उससे तथा अन्य लोगों से मारपीट करने, जान से मारने की नीयत से हमला कर चोट पहुंचाते हुए जान से मारने की धमकी दी है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

होली में खुला बोरवेल बंद ग्रामीणों ने जताया था रोष

बराड़ा। गांव होली में जनस्वास्थ्य विभाग के जलघर नंबर-2 में खुले बोरवेल को बंद कर दिया गया है। मामला मीडिया में आने के बाद यह कार्रवाई हुई। रामदसिया चौपाल के पास स्थित इस पुराने बोरवेल को नया बोर होने के बाद विभागीय कर्मचारियों ने खुला ही छोड़ दिया था। ग्रामीण अपने स्तर पर इसे ढकते थे, पर खतरा बरकरार था।

मानसून की पहली बरसात से मौसम सुहावना

आधे घंटे की बरसात से कस्बे के नाले ओवरफ्लो, सफाई व्यवस्था के दावे फेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला/बराड़ा

शनिवार को हुई मानसून की पहली बरसात से मौसम सुहावना हो गया। ट्विन सिटी में कुछ देर तक बरसात होने के बाद थम गई लेकिन तापमान में गिरावट आने से लोगों को राहत मिली। उधर तेज बारिश ने बराड़ा कस्बे की जल निकासी व्यवस्था की वास्तविक स्थिति को उजागर कर दिया। करीब आधे घंटे तक हुई झमाझम बारिश के बाद कस्बे के अधिकांश वार्डों, मुख्य सड़कों और गलियों में जलभराव हो गया, जिससे जनजीवन पूरी तरह प्रभावित रहा। कई स्थानों पर डेढ़ से दो फुट तक पानी भर जाने से लोगों का आवागमन बाधित हो गया और दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया। शनिवार सुबह भीषण गर्मी, उमस और बंद हवा के कारण लोग बेहाल थे। करीब 11 बजे मौसम ने करवट ली और तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश से कुछ समय के लिए मौसम सुहावना अवश्य हुआ लेकिन राहत जल्द ही परेशानी में बदल गई। पहली ही बारिश में बैंक रोड, रेलवे रोड, रजौली रोड, स्कूल रोड, लाइन पार क्षेत्र, बसंत पूरा, बराड़ा गांव सहित कस्बे के लगभग सभी वार्डों में जलभराव की स्थिति बन गई। सबसे गंभीर हालात लक्कड़ मंडी मोहल्ले में देखने को मिले, जहां नाले और गलियों में इतना पानी भर गया कि दोनों के बीच का अंतर ही समाप्त हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसी स्थिति में कोई बच्चा, बुजुर्ग या राहगीर नाले में गिरकर हादसे का शिकार हो सकता है। बैंक रोड स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब के आसपास भी सड़कें पूरी तरह पानी में डूब गईं। यहां सड़क और नाले का अंतर खत्म हो जाने से लोगों को आवाजाही में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। हरि मंदिर मोहल्ला, गुरुद्वारे वाली गली तथा आसपास के क्षेत्रों में भी जलभराव के कारण लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया।

ज्यादातर बाजार पानी में डूबे, रिहायशी कॉलोनियों में भी हुआ जलभराव

अंबाला। सड़कों व गलियों में जमा बरसाती पानी। फोटो: हरिभूमि

हर साल होती है समस्या

यहां के नागरिकों का कहना है कि हर वर्ष बरसात शुरू होते ही जलभराव की यही समस्या सामने आती है। नालों की समय पर सफाई और स्थायी जल निकासी व्यवस्था के दावों की पहली ही बारिश में पोल खुल गई। लोगों का कहना है कि यदि मात्र आधे घंटे की बारिश में पूरे कस्बे का यह हाल हो सकता है तो लगातार बारिश होने पर हालात और भी गंभीर हो सकते हैं। बारिश रुकने के कुछ देर बाद तेज धूप निकलने से उमस फिर बढ़ गई, जिससे लोगों को दोहरी परेशानी झेलनी पड़ी।

नालों की सफाई का दिया ठेका

अंबाला। मानसून की दस्तक के बाद छावनी नगर परिषद ने पानी की निकासी की व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए सक्रियता बढ़ा दी है। नगर परिषद ने छावनी के 350 छोटे नालों की सफाई के लिए एक एजेंसी को ठेका दे दिया है। नगर परिषद के अधिकारियों के मुताबिक सफाई व्यवस्था को सुचारू बनाने और नालों से गाद निकालने के लिए 35 से 40 लोगों की एक समर्पित टीम तैनात की गई है। कार्य की निगरानी के लिए वार्ड पार्षदों को भी सीधे तौर पर जोड़ा गया है ताकि सफाई में किसी भी तरह की कोताही न बरती जा सके। इस समय छावनी के छोटे नालों की सफाई का बुरा हाल है। कई नाले तो गाद से भरे हुए हैं। हालांकि नगर परिषद के अधिकारियों का दावा है कि अब नाला सफाई का कार्य पूरा होने पर संबंधित वार्ड पार्षद के हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे। इसके बाद ही एजेंसी को भुगतान किया जाएगा। वहीं लोगों का कहना है कि हर बार बारिश के दिनों में ही नालों की सफाई का ठेका दिया जाता है।

कांग्रेस में नेतृत्व का संकट पूरे देश में, राहुल जिम्मेदार

- पूर्व राज्यमंत्री असीम गोयल ने पंजाब में कांग्रेस की अंदरूनी कलह पर किया वार
- राहुल के नेतृत्व में कांग्रेस राजनीतिक और वैचारिक स्तर पर कमजोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

पूर्व राज्यमंत्री असीम गोयल।

पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के भीतर बढ़ती अंदरूनी कलह और वरिष्ठ नेताओं के असंतोष ने प्रदेश की सियासत को नई दिशा दे दी है। पूर्व मुख्यमंत्री सहित कई नेताओं के सार्वजनिक तौर पर सामने आए मतभेदों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस नेतृत्व, विशेषकर राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। पूर्व मंत्री असीम गोयल ने कहा कि कांग्रेस में नेतृत्व का संकट केवल पंजाब तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश में पार्टी इसी स्थिति से गुजर रही है। उनके अनुसार राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस लगातार राजनीतिक, संगठनात्मक और वैचारिक स्तर पर कमजोर हुई है। चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस पार्टी के भीतर जिस तरह गुटबाजी और असंतोष खुलकर सामने आया है, वह कांग्रेस की कार्यशैली का प्रतीक बन चुका है।

असीम गोयल ने कहा कि कांग्रेस के भीतर प्रभावी नेतृत्व का अभाव स्पष्ट दिखाई देता है। उन्होंने दावा किया कि स्वयं कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का राहुल गांधी के नेतृत्व पर भरोसा नहीं रह गया है। यही कारण है कि उन्होंने पार्टी अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी से स्वयं को अलग कर नेतृत्व का दायित्व मल्लिकार्जुन खड़गे को सौंप दिया। उन्होंने कहा कि जो नेतृत्व अपनी ही पार्टी में बढ़ती गुटबाजी और असंतोष को नियंत्रित नहीं कर पा रहा, वह देश के सामने मौजूद चुनौतियों का समाधान कैसे प्रस्तुत करेगा। पंजाब सरकार की 'मांवां धियां योजना' के तहत महिलाओं के खातों में राशि हस्तांतरित किए जाने और मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा इसे वादों को पूरा करने का उदाहरण बताए जाने पर भी असीम गोयल ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह योजना महिलाओं के सम्मान से अधिक राजनीतिक लाभ हासिल करने का माध्यम बनती दिखाई दे रही है।

आप पर बरसे

उन्होंने कहा कि यदि सरकार का उद्देश्य वास्तव में महिलाओं का सम्मान और सशक्तिकरण होता, तो योजना को व्यापक और प्रभावी तरीके से लागू किया जाता। केवल सीमित किस्तें जारी कर इसे उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करना राजनीतिक संदेश देने का प्रयास प्रतीत होता है। गोयल ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी चुनावी माहौल को देखते हुए लोक-लुभावन घोषणाओं के जरिए राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर भगवंत मान को वाक़ई कुछ करना था ,तो 51महीनों की किश्तें एक साथ डालनी चाहिए थी।

शिक्षा के मंदिर को बनाया कूड़ाघर

- गवर्नमेंट कॉलेज के बाहर निगम कर्मियों ने बनाया डंपिंग ग्राउंड

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

छावनी के एकमात्र गवर्नमेंट पीजी कॉलेज को नगर परिषद ने कूड़ाघर बना दिया है। सफाईकर्मी रोजाना सुबह कैंट के विभिन्न इलाकों का कूड़ा गाड़ियों के भरकर कॉलेज के बाहर इकठ्ठा करते हैं। बाद में यहां से जेसीबी की मदद से दोपहर में जाकर कूड़ा उठाया जाता है। सुबह हजारों छात्र व शिक्षक कॉलेज में आते हैं तो स्वागत गेट के साथ लगे कूड़े के ढेरों से उठती दुर्गंध करती है। कूड़े के इस ढेर में गाय मुंह मारती रहती है। कूड़ा फैल कर सड़क तक आ जाता है जिस कारण छात्रों व अन्य राहगीरों का सड़क से गुजरना तक मुश्किल हो जाता है।

अंबाला। कॉलेज के बाहर गंदगी में मुंह मारते पशु। फोटो: हरिभूमि

नप कॉलेज को कूड़ाघर बनाने पर तुली

जब इन सफाई कर्मियों को कॉलेज के बाहर कूड़ा डालने से मना किया जाता है तो उनका कहना है कि सफाई निरीक्षक व सुपरवाइजर ने यहां डालने को बोला है। हैरान करने वाली बात यह है कि कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने पिछले महीने इसी कॉलेज में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण मुहिम का शुभारंभ किया था। जबकि नगर परिषद इस कॉलेज को कूड़ाघर बनाने पर तुली है।

बीएसएनएल के पूर्व अधिकारी से ऑनलाइन ठगी

पीएनबी रिटायर्ड पेंशन स्कीम का झांसा देकर की ठगी

- साइबर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की
- योजना के नाम पर 2.87 लाख रुपये की धोखाधड़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

बीएसएनएल से रिटायर अधिकारी से ऑनलाइन धोखाधड़ी हो गई। साइबर ठगों ने पीएनबी रिटायर्ड पेंशन स्कीम के नाम पर उनसे 2 लाख 87 हजार 414 रुपए ठग लिए। अंबाला साइबर क्राइम थाना पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अंबाला छावनी के रामनगर के सोमनाथ (78) के साथ हुई। ठगों ने उन्हें मेडिकल, एयर फ्लाइट और रेलवे टिकटों में छूट का झांसा दिया, जिसके बाद उनके बैंक खातों से पैसे निकाल लिए गए। सोमनाथ ने पुलिस को बताया कि 30 जून 2026 को फेसबुक चलाते समय उन्हें पीएनबी रिटायर्ड पेंशन स्कीम का एक विज्ञापन दिखा था। इस विज्ञापन में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए कई आकर्षक लाभ और छूट का दावा किया गया था। विज्ञापन के झांसे में आकर सोमनाथ ने वहां दिए गए विकल्प पर क्लिक कर दिया और अपनी जन्मतिथि दर्ज कर दी। इसके बाद साइबर ठगों ने उन्हें अपने जाल में फंसा लिया। विज्ञापन पर क्लिक करने के अगले दिन यानी 1 जुलाई को बुजुर्ग के मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने अपना नाम राकेश मिश्रा बताया और कहा कि आपकी आवेदन रिक्वेस्ट हमें मिल गई है। उसने बेनिफिट कार्ड जारी करने के बहाने बुजुर्ग से उनके एटीएम कार्ड का नंबर, गोपनीय पिन और सीवीवी नंबर मांग लिया। बुजुर्ग उसकी बातों में आ गए और सारी जानकारी शेयर कर दी। इसके बाद शातिर ठग ने सिर्फ 1 रुपए की ट्रांजेक्शन फीस जमा करने को कहा। सोमनाथ ने उसके बताए अनुसार ऑनलाइन खुली एक एप्लीकेशन में अपने एटीएम कार्ड की डिटेल और पिन भरकर एक रुपया का भुगतान कर दिया। ठग ने भरोसा दिया कि बेनिफिट कार्ड व्हाट्सएप और डाक के जरिए उनके घर पहुंच जाएगा।

मामला दर्ज

बुजुर्ग ने तुरंत इस धोखाधड़ी की शिकायत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन पर दर्ज कराई। इसके बाद पंचकुला नोडल साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन से मिली जीरो एफआईआर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत केस दर्ज किया है।

पहला ओसीटी-गाइडेड रोटाट्रिप्सी प्रोसीजर किया गया

चंडीगढ़। पार्क हॉस्पिटल, पटियाला ने अपना पहला ओसीटी -गाइडेड रोटाट्रिप्सी प्रोसीजर सफलतापूर्वक किया है, जो कॉम्प्लेक्स कोरोनरी आर्टरी डिज़ीज़ के इलाज में एक बड़ा कदम है। कंसल्टेंट कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अर्शदीप सिंह संधू ने कहा कि यह प्रोसीजर एक ऐसे मरीज़ पर किया गया था जिसकी कोरोनरी आर्टरी बहुत ज़्यादा कैल्सीफाइड थी, यह एक मुश्किल कंडीशन है जिससे एंजियोप्लास्टी और स्टेंट लगाना मुश्किल हो सकता है। कैल्शियम जमाव कितना है, इसका सही-सही अंदाज़ा लगाने के लिए, कार्डियक टीम ने ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी (ओसीटी) का इस्तेमाल किया, जो एक एडवांस्ड इमेजिंग टेक्नोलॉजी है जो आर्टरी के अंदर से डिटेल्ड, हाई-रिज़ॉल्यूशन विज़ुअलाइज़ेशन देती है। ओसीटी के नतीजों के आधार पर, टीम ने रोटाट्रिप्सी की, जो रोटेशनल एथेरेक्टॉमी (रोटाब्लेशन) और इंट्रावावैस्कुलर लिथोट्रिप्सी (आईवीएल) को मिलाकर एक नई टेक्निक है। रोटाब्लेशन का इस्तेमाल सख्त कैल्शियम जमाव को बदलने के लिए किया गया।

बंद पड़े रिहायशी भवन में चोरी

- पुलिस ने मौके का मुआयना कर चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरू, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है पुलिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला शहर के मॉडल टाउन इलाके में एक बंद मकान में चोरी की वारदात हो गई। कांशी नगर स्थित इस मकान से चोरों ने सोने-चांदी के जेवरात, नकदी, पीतल के बर्तन और इलेक्ट्रॉनिक सामान चुरा लिए। यह पूरी वारदात घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कांशी नगर के दीपक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि चोरों ने उनके मकान में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, चोर पहली बार 1 जुलाई 2026 को सुबह करीब 11:46 बजे घर में दाखिल हुए। इस दौरान वे घर से पीतल के बर्तन और सभी बाथरूमों में लगी पीतल की टोटियां चोरी कर ले गए। चोर अगले ही दिन, 2 जुलाई को दोपहर करीब 3:51 बजे दोबारा उसी घर में घुस आए। इस बार चोरों ने लगभग 25 मिनट तक घर के हर कमरे, अलमारी और दराजों को खंगाला, जिससे पूरा सामान बिखरा पड़ा मिला। इसके बाद वे दोपहर करीब 4:16 बजे भारी मात्रा में कीमती सामान लेकर फरार हो गए। घर की जांच करने पर पता चला कि चोरों ने दो दिनों में काफी नुकसान पहुंचाया है। चोरी हुए सामान में दो सोने की अंगूठियां, कांसे के पूजा के बर्तन, मंदिर की चांदी की परत चढ़ी मूर्तियां, अलमारी में रखीं घड़ियां, अलग-अलग पर्सों में रखे करीब 4 से 5 हजार रुपए नकद, एक जोड़ी चांदी की पायल, डिजिटल कैमरे, हेडफोन और एक बैकपैक शामिल हैं।

सामान ले जाते साफ नजर आ रहे

घटना की सूचना मिलते ही मॉडल टाउन पुलिस चौकी की टीम ने मौका-ए-वारदात पर पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना किया। पीड़ित दीपक ने पुलिस को दोनों दिनों की सीसीटीवी फुटेज सौंप दी है जिसमें आरोपियों का चेहरा और चोरी का सामान ले जाते साफ नजर आ रहे हैं।

कैंसर के बाद स्वस्थ जीवनशैली को अपनाना है बहुत जरूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ पंचकूला

कई लोगों के लिए, कैंसर का इलाज पूरा होना एक सफर का अंत और दूसरे सफर की शुरुआत होता है। घंटी बजना या यह सुनना कि इलाज पूरा हो गया है, एक बड़ा पड़ाव होता है, लेकिन बचने के साथ अक्सर अपनी चुनौतियाँ भी आती हैं। शारीरिक रूप से ठीक होना, इमोशनल हीलिंग, और कैंसर के बाद जिंदगी में ढलना बहुत मुश्किल लग सकता है, जिससे कई बचे हुए लोग सोच में पड़ जाते हैं कि कॉन्फिडेंस और मकसद के साथ आगे कैसे बढ़ें। कैंसर के बाद जिंदगी सिर्फ बीमारी से मुक्त होने के बारे में नहीं है, यह सेहत को फिर से बनाने, सेहत को ठीक करने और ऐसा भविष्य बनाने के बारे में है जिसमें लंबे समय तक सेहत को प्राथमिकता दी जाए। कैंसर के बाद ज़िंदगी का मतलब यह नहीं है कि आप डायग्नोसिस से पहले जैसे इंसान बन जाएं। बल्कि, यह ज़िंदगी के एक नए फेज़ को अपनाने के बारे में है जो ताकत फिर से बनाने, हेल्थ को बचाने और पूरी सेहत को बेहतर बनाने पर फोकस करता है। सर्वाइवरशिप को कैंसर केयर का एक ज़रूरी फेज़ माना जा रहा है, जो इलाज से आगे बढ़कर लोगों को हेल्दी, खुशहाल जिंदगी जीने में मदद करने पर फोकस करता है। सबसे जरूरी बदलावों में से एक जो सर्वाइवर कर सकते हैं,

एन्यूमरेशन फॉर्म भरकर बीएलओ के पास जल्द जमा करवाएं मतदाता

अंबाला। एसडीएम अंबाला शहर दर्शन कुमार ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन-एसआईआर) कार्यक्रम तेजी से किया जा रहा है। इस अभियान के तहत पात्र मतदाताओं को एन्यूमरेशन फॉर्म (गणना प्रपत्र) वितरित करने के साथ-साथ उसे भरने बारे भी जानकारी दी जा रही है। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे सभी अपना गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) भरकर बीएलओ के पास जल्द से जल्द जमा करवाएं। एसडीएम ने कहा कि एसआईआर कार्यक्रम के अंतर्गत बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र उपलब्ध करवा रहे हैं। प्रत्येक मतदाता को अपने प्रपत्र में सही एवं पूर्ण जानकारी भरकर उसे निर्धारित समय पर बीएलओ को सौंपना होगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

हरियाणा अध्यापक पात्रता लेवल-3 की ३१८२ अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

- प्रशासन की ओर से परीक्षा के लिए किए गए थे पुख्ता बंदोबस्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा लेवल-3 के तहत अंबाला शहर व अंबाला छावनी के 13 परीक्षा केंद्रों पर लिखित परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा को नकलरहित एवं पारदर्शी तरीके से करवाने के लिए जिला व पुलिस प्रशासन द्वारा पुख्ता प्रबंध किए गए थे। परीक्षा के तहत कुल 4114 परीक्षार्थियों में से 3186 परीक्षार्थी परीक्षा देने के लिए पहुंचे थे। परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन हो गया है। बता दें कि उपायुक्त अजय सिंह तोमर के दिशा-निर्देशानुसार ड्यूटी मजिस्ट्रेट व सेंटर अधीक्षकों की बैठक लेकर हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा 4 व 5 जुलाई को हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा को नकलरहित व पारदर्शी तरीके से करवाने बारे निर्देश दिए थे। परीक्षा के तहत 5 जुलाई को लेवल- 2 के तहत प्रातः 10 से दोपहर 12.30 बजे तक परीक्षा आयोजित होगी तथा इस परीक्षा के लिए 20 सेंटर बनाए गए हैं जिनमें 6141 परीक्षार्थी परीक्षा देने के लिए पहुंचेंगे। इसी प्रकार इसी दिन यानि 5 जुलाई को लेवल-1 के तहत परीक्षा का आयोजन होगा तथा यह परीक्षा दोपहर बाद 3 बजे से 5.30 बजे तक आयोजित होगी।

कार्यक्रम एसए जैन स्कूल में किया पौधरोपण कार्यक्रम

प्रदूषण-जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पेड़ लगाने के साथ देखभाल जरूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए भारत विकास परिषद की गीता गोपाल शाखा ने अपने मुख्य कार्यक्रम 'पर्यावरण संकल्प' के तहत एसए जैन सीनियर मॉडल स्कूल में वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया। इस कार्यक्रम का संचालन पर्यावरण संयोजक दीपांशु अग्रवाल ने किया। सभा को संबोधित करते दीपांशु अग्रवाल ने प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने के महत्व पर जोर दिया। परिसर में कई तरह के पौधे लगाए गए और छात्रों व कर्मचारियों ने उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। प्राचार्या डॉ. रेनू गहलावत और स्कूल प्रबंधक समिति ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किए गए प्रयासों की सराहना करते भाविप के सदस्यों को स्मृति चिह्न और गमले में लगा पौधा भेंट कर सम्मानित किया।

अंबाला। पौधारोपण करते पदाधिकारी। फोटो: हरिभूमि

आभार जताया

प्रबंधक समिति के सम्मानित सदस्यों रजत जैन, उपाध्यक्ष डॉ. विनीत जैन, सचिव हितेश जैन, मैनेजर रितेश जैन, कोषाध्यक्ष सुनील जैन, सलाहकार रविकांत जैन और प्राचार्या डॉ. रेनू गहलावत ने इस सार्थक पहल के लिए भारत विकास परिषद, गीता गोपाल शाखा का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 5 जुलाई 2026

क्या कभी हो पाएगी एलियन से मुलाकात !

क्या एलियन कभी पृथ्वी पर आएंगे? क्या उनसे हमारी मुलाकात हो पाएगी? इस सवाल का फिलहाल कोई सीधा 'हां' या 'ना' में जवाब देना मुश्किल है। एलियंस का धरती पर आना भले ही अभी विज्ञान कथाओं की तरह लगता हो, लेकिन वैज्ञानिक प्रयासों से भविष्य में, असंभव सा लगने वाला कुछ भी संभव हो सकता है।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

रात के समय जब हम आसमान में टिमटिमाते हुए तारों को देखते हैं, तो हमारे मन में एक सवाल बार-बार उठता है, 'क्या इस विशाल ब्रह्मांड में हम अकेले हैं?' या फिर किसी दूर के ग्रह पर हमारे जैसे ही या हमसे भी ज्यादा समझदार जीव रहते हैं? इन्हीं बाहरी दुनिया के जीवों को हम 'एलियन' या 'एक्स्ट्राटेरेस्ट्रियल' कहते हैं। गणितीय संभावनाओं को देखें तो ब्रह्मांड में कहीं न कहीं जीवन जरूर होना चाहिए। लेकिन अंतरिक्ष की असीम दूरियों को देखते हुए, उनका हमारे पास आना या हमारा उन तक पहुंचना बहुत ही कठिन काम है। वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले कुछ दशकों में, जैसे-जैसे हमारी तकनीक और बेहतर होगी, हम शायद सौर मंडल के किसी चांद या बाहरी ग्रह पर जीवन के छोटे अंश (जैसे बैक्टीरिया) खोजने में सफल हो जाएंगे।

क्यों बरकरार है संभावना

वैज्ञानिकों के अनुसार, हमारे ब्रह्मांड में अरबों आकाशगंगाएं हैं और हर आकाशगंगा में खरबों तारे और ग्रह हैं। इतनी बड़ी जगह में सिर्फ हमारी पृथ्वी पर ही जीवन हो, ऐसा होना थोड़ा मुश्किल लगता है। इसलिए लगता है कि इस यूनिवर्स में कोई न कोई दूसरी दुनिया हो सकती है। खगोल वैज्ञानिक भी इस विषय पर यही सोचते हैं। इसीलिए वे सालों से एलियंस की खोज कर रहे हैं।

क्या एलियन पृथ्वी पर आएंगे!

हालांकि आम लोगों का मानना है कि कभी न कभी एलियन पृथ्वी पर आए होंगे या आएंगे। लेकिन वैज्ञानिक इस सवाल का जवाब तर्क के आधार पर खोजते हैं। एलियन पृथ्वी पर क्यों आना चाहेंगे? इसके वे कई तर्क देते हैं-

नए घर की खोज: जैसे हमारे वैज्ञानिक मंगल ग्रह पर जीवन तलाश रहे हैं, वैसे ही एलियन भी अपने रहने के लिए एक नए और सुरक्षित ग्रह की तलाश में पृथ्वी पर आ सकते हैं।

संसाधनों की तलाश: अगर उनके अपने ग्रह के प्राकृतिक संसाधन जैसे पानी, खनिज या ऊर्जा आदि खत्म हो गए हों, तो वे पृथ्वी के संसाधनों का उपयोग करने के लिए यहां का रुख कर सकते हैं।

जिज्ञासा और शोध: हो सकता है कि एलियन भी हमारी पृथ्वी के वैज्ञानिकों की तरह खोजी स्वभाव के हों। वे ब्रह्मांड के दूसरे जीवों यानी हम इंसानों के बारे में जानने और हमसे दोस्ती करने के लिए हमारे पास आ सकते हैं।

तकनीकी श्रेष्ठता: अगर कोई सभ्यता हमसे लाखों साल पुरानी है, तो उनके पास ऐसे स्पेसशिप हो सकते हैं जो रोशनी की रफ्तार से

भी तेज चल सकें। ऐसी तकनीक होने पर उनके लिए पृथ्वी तक आना बहुत आसान होगा।

इसके विपरीत एलियन का आना क्यों मुश्किल है, इसके भी कुछ तर्क देते हैं-

अत्यधिक दूरी: ब्रह्मांड इतना बड़ा है कि हमारे सबसे करीबी तारे प्रॉक्सिमा सेंचुरी तक पहुंचने में भी आज की तकनीक से हजारों साल लग जाएंगे। एलियंस के लिए भी इतनी लंबी दूरी तय करना एक बड़ी चुनौती होगी।

समय का चक्र: हो सकता है कि ब्रह्मांड के किसी कोने में एलियन रहे हों, लेकिन वे इंसानों के पैदा होने से करोड़ों साल पहले ही खत्म हो चुके हों, या फिर वे तब आएंगे, जब इंसान धरती से गायब हो चुके होंगे।

संवाद की कमी: हमारी भाषा, रेडियो सिग्नल और सोचने का तरीका उनसे बिल्कुल अलग हो सकता है। मुमकिन है कि वे हमारे सिग्नलों को समझ ही न पा रहे हों।

वैज्ञानिक शोध और प्रयास

वैज्ञानिकों ने एलियंस को ढूंढ़ने और उनसे संपर्क करने के लिए कई प्रयास किए हैं।

सेटी प्रोजेक्ट: सर्च फॉर एक्स्ट्रा टेरेस्ट्रियल इंटेलिजेंस, दुनिया का सबसे बड़ा संगठन है, जो अंतरिक्ष से आने वाले रहस्यमयी सिग्नलों पर नजर रखता है। वैज्ञानिक बड़े-बड़े रेडियो टेलीस्कोप का इस्तेमाल करके आसमान से आने वाली आवाजों और तरंगों को सुनते हैं, ताकि एलियंस का कोई संदेश पकड़ा जा सके।

वोयाजर के गोल्डन रिकॉर्ड्स: साल 1977 में नासा ने अंतरिक्ष में दो स्पेसक्राफ्ट भेजे थे, जिनका नाम 'वोयाजर 1' और 'वोयाजर 2' है। इन स्पेसशिप में एक तांबे की बनी सीडी जैसी 'गोल्डन डिस्क' रखी गई है। इस डिस्क में पृथ्वी की आवाजें, संगीत, 55 भाषाओं में नमस्कार और हमारे ग्रह का नक्शा दर्ज है, ताकि अगर कभी यह किसी एलियन को मिले, तो वे हमारे बारे में जान सकें।

यूएफओ और यूएपी की जांच: दुनिया भर में कई बार आसमान में उड़ने वाली अजीबो-गरीब चीजों जैसे उड़न तश्तरी को देखने का दावा किया गया है। अब अमेरिकी सरकार और नासा जैसी एजेंसियां इन्हें 'यूएपी' (अनआइडेंटिफाइड एनोमैलुअस फैनोमेना) कहकर इन पर आधिकारिक रिसर्च कर रही हैं, ताकि यह साफ हो सके कि ये एलियंस के यान हैं या कोई प्राकृतिक घटना।

बहरहाल, भविष्य में कभी दूसरे ग्रह के वासियों एलियंस से पृथ्वीवासियों की कभी मुलाकात हो पाएगी या नहीं यह तो अभी नहीं कहा जा सकता लेकिन दुनिया भर के वैज्ञानिक इस कोशिश में हर संभव प्रयास कर रहे हैं। *

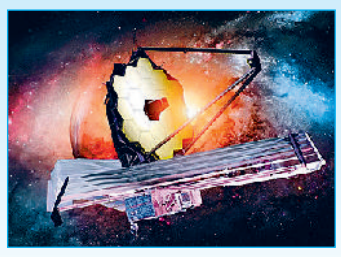

केपलर-जेम्स वेब टेलीस्कोप

नासा के इन आधुनिक टेलीस्कोपों का काम अंतरिक्ष में 'एक्सोप्लैनेट्स' यानी हमारे सौर मंडल से बाहर के ग्रह को खोजना है। वैज्ञानिकों ने अब तक हजारों ऐसे ग्रह खोजे हैं, जो 'गोल्डीलॉक्स जोन' में हैं। इसका मतलब है कि ये ग्रह अपने तारे से न तो बहुत ज्यादा गर्म हैं और न ही बहुत ज्यादा ठंडे, जहां पृथ्वी की तरह पानी और जीवन मौजूद हो सकता है। इसमें जीवन की संभावना भी हो सकती है।

मार्स मिशन

हमारे सबसे नजदीकी ग्रह मंगल पर पानी और जीवन के निशान खोजने के लिए भारत का 'मंगलयान', नासा के 'परसवेरेंस' रोवर जैसे कई मिशन भेजे गए हैं। इनके जरिए वैज्ञानिक मंगल ग्रह पर सूक्ष्मजीवों के जीवाश्म ढूंढ़ रहे हैं, जो अंतरिक्ष वासी एलियन या जीवन का पहला ठोस सबूत हो सकते हैं।

चिंताजनक है लगातार बढ़ता अंतरिक्ष में वेस्ट मैटर

जिस तरह से हम सबने अपनी पृथ्वी पर प्रदूषक वस्तुओं और कूड़े-कचरे का अंबार लगा रखा है, कुछ ऐसा ही हाल अंतरिक्ष का भी होता जा रहा है। स्पेस में स्पेसक्राफ्ट, एस्ट्रोनॉट्स और सैटेलाइट्स का वेस्ट मैटर भविष्य में गंभीर समस्या पैदा कर सकता है।

स्पेस इश्यू
अंजू जैन

जब हम रात में आसमान की तरफ देखते हैं, तो हमें टिमटिमाते तारे, चंद्रमा और कभी-कभी गुजरते हुए सैटेलाइट्स (उपग्रह) दिखाई देते हैं। यह नजारा बेहद जादुई लगता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हमारे इस खूबसूरत अंतरिक्ष में एक बहुत बड़ी मुसीबत धीरे-धीरे पैर पसार रही है? इस मुसीबत का नाम है-'अंतरिक्ष का कचरा' या 'स्पेस डेब्री'।

क्या है स्पेस डेब्री: जैसे हम अपनी पृथ्वी पर प्लास्टिक, रैपर्स और खराब सामान फेंककर इसे गंदा कर रहे हैं, ठीक वैसे ही इंसानों ने अंतरिक्ष को भी कबाड़खाना बनाना शुरू कर दिया है। अंतरिक्ष कचरा या स्पेस जंक उन सभी मानव-निर्मित बेकार चीजों को कहते हैं, जो अब किसी काम की नहीं रहीं और पृथ्वी के चारों ओर अंतरिक्ष में चक्कर काट रही हैं। इस कचरे में बेकार हो चुके पुराने सैटेलाइट्स, रॉकेट्स के छूटे हुए टुकड़े, अंतरिक्ष यात्रियों के हाथ से छूटे हुए औजार (जैसे स्क्रू-ड्राइवर, ग्लव्स) और सैटेलाइट्स के आपस में टकराने से बने करोड़ों छोटे-छोटे टुकड़े शामिल हैं। वैज्ञानिकों के अनुमान के अनुसार, इस समय अंतरिक्ष में लाखों छोटे-बड़े टुकड़े तैर रहे हैं, जो एक बड़े खतरे की घंटी हैं।

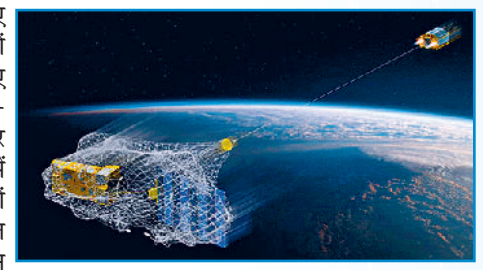

स्पेस डेब्री में शामिल चीजें: स्पेस डेब्री में बहुत कुछ हो सकता है। जैसे-जब किसी उपग्रह का जीवनकाल खत्म हो जाता है या उसका ईंधन समाप्त हो जाता है, तो वह वहीं अंतरिक्ष में निष्क्रिय होकर घूमने लगता है। उपग्रहों को अंतरिक्ष में छोड़ने के बाद रॉकेट के निचले और ऊपरी हिस्से अलग हो जाते हैं। ये हिस्से अंतरिक्ष में ही तैरते रह जाते हैं। जब दो सैटेलाइट्स आपस में टकराते हैं, तो उनके परखच्चे उड़ जाते हैं। एक टक्कर से हजारों नए छोटे-छोटे तीखे टुकड़े बन जाते हैं।

कुछ देश अपनी मिसाइल क्षमता को जांचने के लिए अंतरिक्ष में अपने ही पुराने सैटेलाइट को मिसाइल से उड़ा देते हैं। इससे पल भर में बेशुमार कचरा फैल जाता है।

स्पेस वेस्ट से संकट: अब आप सोच रहे होंगे कि अंतरिक्ष तो इतना विशाल है, फिर वहां थोड़े से कबाड़ से क्या फर्क पड़ता है? अंतरिक्ष हमारा भविष्य है। अगर आज हमने इसकी सफाई पर ध्यान नहीं दिया, तो आने वाली पीढ़ी के लिए ब्रह्मांड के रहस्य जानने के सारे रास्ते बंद हो जाएंगे। इसके कई खतरनाक परिणाम हो सकते हैं। अंतरिक्ष में ये टुकड़े धीरे-धीरे नहीं तैरते। इनकी रफ्तार बंदूक की गोली से भी 10 से 15 गुना तेज होती है, लगभग 28,000 किलोमीटर प्रति घंटा। इतनी रफ्तार में एक छोटा-सा पेंट का टुकड़ा या पेंच भी किसी सैटेलाइट से टकराए, तो उसे पूरी तरह तबाह कर सकता है। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में हमेशा हमारे वैज्ञानिक रहते हैं। यदि कोई बड़ा टुकड़ा स्पेस स्टेशन से टकरा जाए, तो वहां रहने वाले अंतरिक्ष यात्रियों की जान पर बन आ सकती है। उन्हें कई बार खुद को बचाने के लिए आपातकालीन कैप्सूल में छिपना पड़ता है।

हम मोबाइल के जरिए जो बात करते हैं, जीपीएस से रास्ता देखते हैं, टीवी देखते हैं और मौसम का पूर्वानुमान लगाते हैं, वे सब अंतरिक्ष में मौजूद सैटेलाइट्स की वजह से संभव होता है। अगर कचरे की वजह से ये सैटेलाइट्स नष्ट हो गए, तो हमारी पृथ्वी की आधुनिक लाइफलाइन एकदम रुक-सी जाएगी। अगर अंतरिक्ष में कचरा बहुत ज्यादा बढ़ गया, तो वे आपस में टकराकर और अधिक कचरा बनाएंगे। एक समय ऐसा आएगा कि पृथ्वी के चारों ओर कचरे की ऐसी घनी दीवार बन जाएगी कि इंसान कभी नया रॉकेट या सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेज ही नहीं पाएगा। हम हमेशा के लिए पृथ्वी पर कैद हो जाएंगे।

निदान और समाधान: अंतरिक्ष में बढ़ रहे कचरे की इस समस्या के समाधान के लिए वैज्ञानिक लगातार प्रयास कर रहे हैं। दुनिया भर की स्पेस एजेंसियां जैसे भारत की इसरो, अमेरिका की नासा इस मलबे को साफ करने के लिए बेहद अनोखे तरीकों पर काम कर रही हैं। वैज्ञानिक ऐसे विशेष सैटेलाइट बना रहे हैं, जो अंतरिक्ष में जाकर बड़े मलबे पर जाल फेंकेंगे या हारपून (भाला) मारकर उसे पकड़ेंगे और खींचकर पृथ्वी के वायुमंडल की तरफ ले आएंगे।

कुछ जापानी कंपनियां ऐसे सैटेलाइट्स का परीक्षण कर रही हैं, जिनमें बहुत शक्तिशाली चुंबक लगे होंगे। ये चुंबक लोहे और धातु के मलबे को अपनी ओर आकर्षित करके चिपका लेंगे। इस तरह कई और तकनीकें अपनाई जा रही हैं। संभव है इसका स्थायी समाधान खोज लिया जाएगा। *

गजल
हबीब कैफी

चला गया कोई

उम्र अपनी बढ़ा गया कोई
नाम लेते ही आ गया कोई
मैंने थामा था हाथ कांटों में
फूल पाकर छुड़ा गया कोई
उसके सारे निशान जिंदा हैं
कैसे कह दूं चला गया कोई
इक तने पर लिखे थे बरसों से
नाम दोनों मिटा गया कोई
नींद यूं ही नहीं हुई गायब
तेरे किस्से सुना गया कोई
सिर्फ इक बात मैंने पूछी थी
बातें क्या-क्या सुना गया कोई
जिक्र जब भी वफा का आया है
सर झुका कर चला गया कोई

व्यंग्य / सूर्यकुमार पांडेय

महंगाई से मुलाकात

चाहने को हम भी बहुत कुछ चाहते हैं। हमारी पहली चाहत तो यह ही है कि अपने पास अकूत वैध संपत्ति हो। वैध इसलिए, क्योंकि बुल्डोजर से सबको डर लगता है। बड़े-बड़े मुर्गे हलाल हो गए, फिर भला इस पिद्दी के शोरबे की क्या ही औकात है? हमारी दूसरी चाहत है कि महंगाई नाम की चीज को अपने देश से धक्के मार कर बाहर निकाल देना चाहिए। अंतर्मन में कुछ ऐसी भी चाहतें हैं, जिन्हें सार्वजनिक कर दें तो जूते पड़ने लगेंगे। हमारे एक मित्र ने एक महिला को सिर्फ 'आइ लव यू' कहा था। एक वह दिन था और एक आज का दिन है, अस्पताल से लौटकर आया है और प्रत्येक महिला को बुआ-दीदी से नीचे नहीं बोलता है।

इंसान कामनाओं का कोष है। मनुष्य की इच्छाएं अनंत हैं। सबको फेसबुक-एक्स आदि के दरिया में डालकर अपनी भड़ास निकालने से अच्छा है कि भाग्यवादी बन जाओ। 'जाही विधि राखे राम, ताही विधि रहिए।' हम भी रह ही रहे हैं। घोर महंगाई की चपत खाकर भी हंस रहे हैं। यूं किसी के चाहने या न चाहने से क्या होता है? भला मैं भी कहां चाहता था, फिर भी आज महंगाई से मेरी मुलाकात हो ही गई। वैसे यह कोई नई बात नहीं है। पहले कभी-कभार भेंट होती थी। इन दिनों वह मुझसे रोज ही किसी-न-किसी बहाने मेरे घर पर मिलने आ जाया करती है। जब मैं घर से बाहर रहता हूं तो वह वहां पर भी मुझसे टकरा जाती है। बाजार जाऊं तो वहां भी मिल जाती है। सड़क पर चल रहा होता हूं, तब भी वह हमारा पीछा नहीं छोड़ती है। पत्नी कहती है, 'यह मुई मेरी सौत है। इसकी निगाह तुम्हारे शरीर के साथ तुम्हारी जेब पर भी रहती है।'

मैं अकसर यह महसूस करता हूं कि मेरी जेब में रखा हुआ पर्स भी जरूरत से ज्यादा दुबला हो चुका है। महंगाई डायन के प्रकोप के चलते 'चंद क्वॉइन' ही शेष बचे हुए हैं। गनीमत है कि वह पूरी तरह खाली नहीं हुआ है। शायद इसी दुबले पर्स पर महंगाई डाका डालने पर उतारू है। जिसके पास धन नहीं है, उसको न चोरी का डर सताता है और न रहजनी का। उसे एकमात्र डर सताता है तो महंगाई का।

मेरा प्रतिदिन महंगाई से इसी तरह मिलना होता रहा तो एक दिन इस गरीब की जान ही निकल जाएगी। आप जानते हैं कि गरीब की जान उसकी हलक में अटकी होती है। यह उस चिड़िया की तरह होती है, जिसे जब तक दाना-पानी मिलता रहता है, चहकती रहती है, जिस दिन मिलना बंद हो गया, फुर्र से उड़ जाती है। लोग यूं ही प्राण को पखेरू नहीं कहते हैं।

मैं इस नामाकूल महंगाई से कितना भी बचना चाहता हूं, लेकिन वह है कि हाथ धोकर मेरे गले पड़ती जा रही है। आज महंगाई फिर एक बार मुझसे मिलने आई है। वह आवश्यकता से अधिक मोटी दिख रही है। पिछली बार जब उससे मिलना हुआ था, तब भी वह मोटी ही थी, लेकिन इस बार उसके शरीर की चर्बी पर एक और परत चढ़ चुकी है। वैसे भी जो प्रतिदिन दूसरों की जेब पर डाका डालता हो, उसका मोटा हो जाना अचरज की बात नहीं है। मैं अपने आस-पास के ऐसे तमाम लोगों को जानता हूं, जो दूसरों को लूटते रहते हैं और मोटे हो जाते हैं। महंगाई भी पुष्ट हो रही है। वह मुझसे कहने लग गई, 'तुम मेरे नाम का रोना रोते रहते हो, मैंने सोचा आज एक बार और मिल लेती हूं! कहो, कैसे मिजाज हैं?' मैंने कहा, 'मिजाज की छोड़ो। तुमने हमें कहीं का नहीं छोड़ा है। तुम जिस अनुपात में मोटी होती चली जा रही हो, हम उसी अनुपात में दुबले हो रहे हैं। उधर तुम्हारी खुराक बढ़ती जा रही है, इधर हम अपने को किसी दिहाड़ी मजदूर की पगार जैसा बेबस पाते हैं।'

महंगाई जैसे आज विश्व हास्य दिवस मनाने के मूड में थी। वह पहले खूब हंसी, फिर मुझे छेड़ती हुई बोली, 'देख रही हूं। तुम्हारे पांवों में बेबसी के घुंघरू बंधे हुए है, फिर भी तुम ठुमक रहे हो। तुम जैसे बकरे को कहां पता है कि कल मैं तुमको किस भारी-भरकम रूप में मिलने वाली हूं!' *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

विडंबनाओं पर कटाक्ष

आज के बहुरूपिए समय में तमाम तरह की विडंबनाओं और विसंगतियों के संग जीने के लिए हम सब इतने अभ्यस्त हो गए हैं कि किसी भी प्रकार के विद्रूप में असहज महसूस नहीं करते हैं। लेकिन एक व्यंग्यकार की सजग दृष्टि न केवल जीवन और व्यवस्था में धंसे विद्रूप को इंगित करती है, उस पर कटाक्ष भी करती है। सुपरिचित व्यंग्यकार मुरली मनोहर श्रीवास्तव के ऐसे ही चुने हुए 65 व्यंग्यों का संग्रह 'डेढ़ इंच मुसकान वाले लोग' हाल में छपकर आया है। इनमें कहीं वे नेशनल कैरेक्टर से लेकर, आटा से ज्यादा डाटा की चिंता करते नजर आते हैं, तो

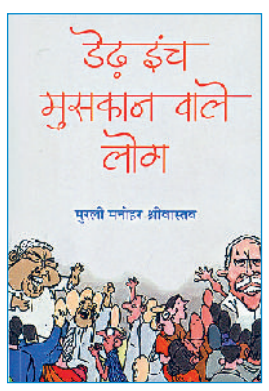

कहीं चुटकी लेते हुए मीडिया का महिमा मंडन करते दिखते हैं। 'ऑफिस रस' शीर्षक व्यंग्य में वह लिखते हैं, 'जिसे एक बार ऑफिस रस की लत लग गई, वह इसकी प्रॉपर डोज के बिना रह ही नहीं पाता। वह कहीं भी रहे, किसी भी हाल में पड़ा हो, इस रस की प्राप्ति के लिए छटपटाता रहता है।' हर खास-ओ-आम की जिंदगी में आज की तारीख में इंटरनेट डाटा का क्या महत्व हो चुका है, इस बारे में व्यंग्यकार की टिप्पणी ध्यान देने योग्य है। 'आटा और डाटा' शीर्षक व्यंग्य में वह कहते हैं, 'कई बार लगता है कि आटा न भी मिले तो चलेगा पर डाटा खत्म हो गया तो जीकर क्या करेंगे? लड़ाई यह है कि आटा जन-जन तक पहुंचा कि डाटा?' *

पुस्तक: डेढ़ इंच मुसकान वाले लोग (व्यंग्य संग्रह), **लेखक:** मुरली मनोहर श्रीवास्तव, **मूल्य:** 400 रुपए, **प्रकाशक:** विद्या विहार, नई दिल्ली

हरिभूमि रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 5 जुलाई 2026

सीजनल टूरिज्म / समीर चौधरी

हर नेचर लवर टूरिस्ट, मानसून में भीगी हरी-भरी पहाड़ी वादियों को करीब से निहारना चाहता है। हालांकि आमतौर पर इस सीजन को ट्रैकिंग के लिए सुटेबल नहीं माना जाता है। लेकिन कुछ ऑफबीट-सुरक्षित हिमालयी ट्रैकिंग स्पॉट्स पर जाकर आप अपनी इस चाहत को पूरा कर सकते हैं। ऐसे ही कुछ बेमिसाल ट्रैकिंग स्पॉट्स पर एक नजर।

मानसून में करिए फुल एंज्वॉय ये हिमालयन ट्रैकिंग स्पॉट्स

अनुभवी ट्रैकर्स के लिए परफेक्ट परांग ला ट्रैक, हिमाचल प्रदेश

परांग ला ट्रैक (18,400 फीट की ऊंचाई पर स्थित) अनुभवी ट्रैकर्स के लिए परफेक्ट माना जाता है, क्योंकि लद्दाख व स्पीति को जोड़ने वाला इसका पथरीला, तीखी ढलान वाला रूट थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। आप इस ट्रैक पर शुरुआत लेह के करजोक गांव से या स्पीति के चिचम/किब्बर गांव से कर सकते हैं। कठिन रास्तों के बावजूद आपको जादुई नजारे देखने को मिलेंगे। इस दौरान आप खिले हुए जंगली फूल, गहरी नीली त्सो मोरिरी झील के अलावा किआंग या तिब्बती जंगली गधों के झुंडों को भी कूदते-दौड़ते हुए देख सकते हैं। इसे विजिट करने का सबसे अच्छा समय जुलाई के मध्य से सितंबर की शुरुआत तक होता है। *

मोहक नजारा दिखाए मरखा घाटी, लद्दाख

जुलाई और सितंबर के मध्य में मरखा घाटी (17,060 फीट की ऊंचाई पर स्थित) की दूधिया सफेद नदियां, सुंदर लैंडस्केप और विशाल पहाड़ों की पृष्ठभूमि में हरी-भरी वादियां मन मोह लेती हैं। यहां से कांग यत्से पहाड़ का दिलकश नजारा भी दिखता है। यह ट्रैक लेह से आरंभ होता है और फिर जब आप ऊपर की तरफ बढ़ते हैं तो हेमिस नेशनल पार्क, सुदूर गांवों और आध्यात्मिक ताचा मठ से होते हुए यह सफर यादगार बनता चला जाता है। यहां ट्रैकिंग करते हुए आपको हिमालयन ब्लू शीप, हिमालयन ग्रिफ्फोन, स्नो लेपर्ड और पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों का दीदार करने का अवसर भी मिलता है। *

हिडन डायमंड दरमा घाटी ट्रैक, उत्तराखंड

उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में स्थित दरमा घाटी ट्रैक (14,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित) एक छुपा हुआ हीरा कहा जाता है, जो आपको आकर्षक गांवों, घने जंगलों, रोलिंग घास के मैदानों और ग्लेशियर से पोषित धाराओं से रूबरू कराता है। इन सबकी पृष्ठभूमि में होती हैं हिमालय की विशाल ऊंची चोटियां। जब मानसूनी बारिश इस लैंडस्केप को भिगो देती है, तो यह वादी हरियाली और जंगली फूलों की सुगंध से भर जाती है। रास्ते में आपको बर्फ से ढंके पहाड़ मिलेंगे। आप इस दौरान स्थानीय समुदायों की विशिष्ट संस्कृति और मेजबानी का भी आनंद ले सकते हैं। जून से सितंबर इस ट्रैक पर जाने के लिए सबसे अच्छा समय है। *

हसीन वादियों से समृद्ध पिन घाटी, हिमाचल प्रदेश

मानसून में ट्रैकिंग के लिए एक अन्य बेहतरीन ट्रैकिंग स्पॉट पिन घाटी (15,780 फीट की ऊंचाई पर स्थित) है। यहां हरे-भरे जंगलों, विशाल घास के मैदानों, पथरीले रास्तों, बर्फ से ढंके मैदानों और ठंडे रेगिस्तानों का फोटो-फ्रेंडली नजारा देखने को मिलता है। यह ट्रैकिंग मुध नामक गांव से आरंभ होती है। पूरी तरह बर्फ सं ढंकी झोपड़ियों की पृष्ठभूमि में मटर और जौ के खेत और तेज हवाओं के साथ झूमते पेड़-पौधे आपका मन मोह लेंगे। इस ट्रैकिंग के दौरान आप प्राकृतिक गर्म पानी के चश्मों के लिए विख्यात खीरगंगा पर रुक सकते हैं। पिन नेशनल पार्क के साथ गेचांग, का और थंगो जैसे स्थान देखना न भूलें। यहां जाने के लिए सबसे अच्छा समय जुलाई से मध्य सितंबर तक माना जाता है। *

वन्य-जीवन से दीदार कराता तोसामैदान ट्रैक, कश्मीर

इस मौसम में ट्रैकिंग की सोच रहे हैं तो तोसामैदान ट्रैक (12,460 फीट की ऊंचाई पर स्थित) आपकी बकट लिस्ट में अवश्य होना चाहिए। कश्मीर के गुलमर्ग में स्थित यह ट्रैक विशाल पीर पंजाल रेंज, अल्पाइन घास के मैदान, शंकुधारी और चीड़ के जंगलों, चमचमाती झीलों और बर्फ से ढंके पहाड़ों से होकर गुजरता है। इस मार्ग पर ट्रैकिंग के दौरान विभिन्न हिमालयी वन्य जीवों जैसे कस्तूरी हिरण, लेपर्ड और विभिन्न प्रजातियों की मुर्गियां आदि को देखने का मौका आपको मिलेगा। यहां ट्रैकिंग करने का सबसे अच्छा समय जुलाई से सितंबर तक का होता है। *

सेल्फ इंप्रूवमेंट / नरेंद्र कुमार

किसी भी प्रोफेशन में ग्रो करने के लिए लगातार सीखना और खुद को बेहतर बनाने की क्षमता का होना जरूरी है। ऐसा तभी हो सकता है, जब आपको अपनी कमियां पता हों। कमियां पता लगाने के लिए बॉस ही नहीं कुलीग्स, सीनियर्स का फीडबैक भी बहुत महत्वपूर्ण होता है। इस बारे में आपको जरूर जानना चाहिए।

करियर ग्रोथ के लिए इंपॉर्टेंट है फीडबैक

आज के दौर में प्रोफेशनल दुनिया में कामयाबी के लिए सिर्फ मेहनत करना ही काफी नहीं है। कंपनियां अब अपने स्टाफ में ऐसे लोगों को चाहती हैं, जो हर समय सीखने को तैयार रहें। जो अपनी कमियों को पहचान सकें और किसी के द्वारा बताए जाने पर उसमें जरूरी सुधार करें। यही कारण है कि फीडबैक आज करियर ग्रोथ का एक महत्वपूर्ण जरिया बन चुका है। वास्तव में फीडबैक एक ऐसा आईना है, जिसमें हम अपनी प्रोफेशनल इमेज बहुत अच्छी तरह से देख सकते हैं। जो लोग इस आईने से डरते नहीं, वे लोग सचमुच इससे बहुत कुछ सीखते हैं।

क्या है फीडबैकः फीडबैक का मतलब केवल आपकी गलती बताया जाना नहीं होता। यह आपके प्रोफेशनल बिहेवियर, काम की प्रस्तुति और क्षमता का किया गया मूल्यांकन होता है, जिसमें सुझाव भी शामिल होता है। इसे अगर आप सकारात्मक तरीके से लेते हैं तो यह आपको बेहतर बनाने में मदद करता है और अगर आप इसे अपनी व्यक्तिगत अलोचना के तौर पर लेते हैं, तो इससे आपको नुकसान हो सकता है।

जरूरी है फीडबैकः डेढ़-दो दशक पहले नौकरियां आज के मुकाबले अपेक्षाकृत स्थिर हुआ करती थीं। लोग बीस-बीस, तीस-तीस साल तक एक ही कंपनी में गुजार देते थे। आज के समय में कंपनियां जरूरी नहीं है कि अगर किसी को अपने यहां रख लें तो उसे सालों-साल ढोती ही रहें। हां, आज भी दस पर्सेंट ऐसे कर्मचारी होते हैं, जो कई साल एक ही कंपनी में गुजार देते हैं। सवाल है, ऐसे थोड़े लोगों में क्या खूबी होती है कि आज भी कंपनियां इन थोड़े से लोगों को अपने साथ लंबे समय तक बनाए रखना चाहती हैं? दरअसल, आज कंपनियां उन्हीं कर्मचारियों को लंबे समय तक अपने साथ बनाए रखने में तरजीह देती हैं, जो अपनी प्रोफेशनल स्किल को लगातार बेहतर बनाने की कोशिश में रहते हैं और जब भी उन्हें कुछ सीखने का मौका मिलता है, जल्द से जल्द सीखने की कोशिश करते हैं। जो अपनी गलतियों में सुधार करने के लिए तैयार रहते हैं, समय और परिस्थितियों के मुताबिक काम के तौर-तरीके में जरूरी बदलाव करते हैं और टीम के साथ बेहतर तालमेल बनाए रखते हैं। वास्तव में ये क्वालिटीज फीडबैक के बेहतर उपयोग के नतीजे के रूप में सामने आती हैं।

फीडबैक बदलता है दिशाः कई बार लोगों को खुद अपनी कमजोरियों का अंदाजा नहीं हो पाता। ऐसे में अगर आप स्वयं को मिले फीडबैक के बाद अपने काम की गुणवत्ता के बारे में जरूरी समझकर, अपनी कमी को सुधारने की कोशिश करते हैं, तो यह कोशिश आपके लिए न केवल प्रमोशन बल्कि आगे चलकर टीम लीड करने की राह भी खोलेगी। यहां सीनियर्स को फीडबैक देने के तरीके के बारे में भी समझना जरूरी है। अकसर सीनियर्स गलत तरीके से या गुस्से में फीडबैक देते हैं। मसलन, किसी के काम में उन्हें कोई कमी नजर आती है, तो वह छूटते ही कह देते हैं, 'तुम हमेशा ही गलत काम करते हो।' इससे आपका कुलीग असहज हो जाता है। होना यह चाहिए कि किसी कुलीग या जूनियर को फीडबैक दें तो उसमें केवल कमी निकालने की बजाय उसके काम को और बेहतर बनाने के सुझाव पर फोकस होना चाहिए।

फीडबैक लेने का सही तरीकाः फीडबैक देने के सही तरीके की तरह ही इसे लेने का तरीका भी सही होना चाहिए। सही तरीका यह है कि हम अपने काम में खामी निकालने वाले व्यक्ति की बात को ध्यान से सुनें, उसे बीच में कतई न टोकें। आप अपने लिए दिए गए महत्वपूर्ण सुझाव को लिख लें, ताकि बाद में जब अकेले में हों, तो उसे और बेहतर तरीके से समझ सकें। कोई भी फीडबैक मिलने पर आप सवाल पूछ सकते हैं, लेकिन यह सवाल रिएक्शन या ऑब्जेक्शन न लगे बल्कि आपको दी जा रही सलाह को और स्पष्ट किए जाने के संबंध में होना चाहिए या फिर बेहतर करने की इच्छा से संबंधित होना चाहिए। *

पुराने दौर से लेकर आज के समय में भी दुनिया भर के देशों में जन्मदिन के उत्सव को अलग-अलग तरीके से मनाया जाता रहा है। कुछ जगहों की परंपराएं तो बहुत ही अजब-अनोखी हैं। इनमें से कुछ दिलचस्प परंपराओं के बारे में यहां बता रहे हैं।

बर्थ-डे सेलिब्रेशन के अजब-अनोखे तरीके

बच्चों का 'किंडरफेस्ट' सेलिब्रेशन, जर्मनी

जन्मदिन पर 'पिन्याटा' फोड़ने की प्रथा, मैक्सिको

रोचक / नेहा जैन

बर्थ-डे का नाम सुनते ही सबसे पहले आपकी कल्पना में चारों तरफ सजे हुए रंग-बिरंगे गुब्बारे और मेज पर रखा सजा हुआ केक आता होगा। केक काटना आज जन्मदिन के उत्सव का एक अनिवार्य हिस्सा बन गया है। लेकिन केक के आविष्कार के पूर्व या उसके बाद भी दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में लोग किस तरह बर्थ-डे सेलिब्रेट करते थे, यह जानना बहुत दिलचस्प है।

प्राचीन यूनान (ग्रीस): प्राचीन काल में यूनान देश के लोग जन्मदिन के अवसर पर चंद्रमा की देवी आर्टेमिस के सम्मान में गोल आकार का शहद वाला केक बनाते थे, जो चांद का प्रतीक माना जाता था। केक पर जलती मोमबत्तियां चांद की चांदनी की तरह चमकती थीं। उनका मानना था कि मोमबत्तियों का धुआं उनकी प्रार्थनाओं को देवताओं तक पहुंचाता है।

रोमन सभ्यता: प्राचीन रोम में भी जन्मदिन के अवसर पर आटे, मेवों और शहद से बने केक या मीठी ब्रेड खिलाने का चलन था।

प्राचीन मिस्र (इजिप्ट): प्राचीन मिस्र के फराओ (राजाओं) के राज्याभिषेक के दिन को उनका 'जन्मदिन' माना जाता था, जिसे भव्य उत्सव के रूप में मनाते थे। इस अवसर पर विशेष तरह के कई पकवान बनाए जाते थे।

जर्मनी का किंडरफेस्ट: 18वीं शताब्दी में जर्मनी में बच्चों के जन्मदिन पर विशेष उत्सव मनाया जाता था, जिसे 'किंडरफेस्ट' कहा जाता था। यहां बच्चे की उम्र के अनुसार केक पर मोमबत्तियां लगाई जाती थीं और एक अतिरिक्त मोमबत्ती गुड लक के लिए रखी जाती थी।

ऐसे भी करते हैं बर्थ-डे सेलिब्रेटः आज भी दुनिया के अलग-अलग देशों में जन्मदिन को अनूठे तरीकों से मनाते हैं। इनमें से कुछ के बारे में यहां बता रहे हैं।

चीनः चीन में बच्चे के बर्थ-डे पर केक की जगह लंबी उम्र के प्रतीक के रूप में 'लॉन्जिविटी नूडल्स' खाए जाते हैं। मान्यता है कि नूडल्स जितने लंबे होंगे, उम्र उतनी ही लंबी होगी। हालांकि अब वहां केक के साथ भी बर्थ-डे सेलिब्रेशन लोकप्रिय है।

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंडः इन दोनों देशों में बर्थ-डे के अवसर पर फलों और क्रीम से सजी 'पावलोवा' केक बनाया और खाया जाता है।

जापानः यहां 3, 5 और 7 साल का होने पर बच्चों का जन्मदिन विशेष उत्सव के रूप में मनाते हैं, जहां वे पारंपरिक किमोनो पहनकर मंदिर जाते हैं। यह परंपरा शिकी-गो-सान कहलाती है।

मैक्सिकोः यहां जन्मदिन की पार्टियों में 'पिन्याटा' फोड़ने का रिवाज है। यह कागज से बना बड़ा-सा खिलौना या गुब्बारा होता है। इसे कैंडी और छोटे-छोटे खिलौनों से भरा जाता है, फिर ऊंचाई पर लटका दिया जाता है। फोड़ने पर इससे निकलने वाले उपहारों को बच्चे बड़े उत्साह से लूटते हैं।

दक्षिण कोरियाः यहां जन्मदिन की सुबह 'मियेओक-गुक' (सीवीड सूप) पीना अनिवार्य माना जाता है। यह मां के प्रति सम्मान जताने का तरीका है, क्योंकि प्रसव के बाद मांएं इसे खाती हैं।

डेनमार्कः डेनमार्क में यदि किसी के घर के बाहर राष्ट्रीय ध्वज लहरा रहा हो तो इसका मतलब है कि घर में किसी का जन्मदिन है।

कनाडाः कनाडा में कुछ जगहों पर बर्थ-डे पर उस व्यक्ति की 'नोज ग्रीसिंग' की परंपरा है। माना जाता है कि नाक पर मक्खन लगाने से आने वाले साल में उसकी मुसीबतें फिसल कर दूर चली जाएंगी। कनाडा और अमेरिका में लड़कियों के 16वें जन्मदिन को बड़े उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसे स्वीट सिक्सटीन फेस्टिवल के रूप में मनाते हैं।

लैटिन अमेरिकाः लैटिन अमेरिकी देशों में लड़कियों के 15वें जन्मदिन को विशेष धूमधाम से मनाया जाता है, जो उनके बचपन से वयस्कता की ओर बढ़ने का प्रतीक होता है। *

भारत में बर्थ-डे सेलिब्रेशन

अपने देश भारत में जन्मदिन पर मंदिर जाने, अपने से बड़ों का आशीर्वाद लेने और नए कपड़े पहनने आदि का रिवाज है। हालांकि महानगरों में आजकल बर्थ-डे पर केक काटना पॉपुलर हो गया है। लेकिन भारत में पारंपरिक रूप से इस अवसर पर खीर, मिठाई या हलवा खिलाया जाता है।

अनूठे बर्थ-डे केक्स

बर्थ-डे केक से जुड़ी कुछ बातें बहुत ही इंट्रेस्टिंग हैं। **भारत का सबसे भारी बर्थ-डे केकः** भारत का सबसे भारी और लंबा बर्थडे केक 5.7 टन का था। यह विशाल केक जनवरी 2020 में भारतीय अभिनेता 'रॉकिंग स्टार यश' के जन्मदिन के अवसर पर बेंगलुरू, कर्नाटक में बनाया गया था। इसे बनाने में 22,500 अंडे, 1,800 किलोग्राम मैदा और 1,150 किलोग्राम चीनी का इस्तेमाल किया गया था। इस केक को 'श्री राम भवन स्वीट्स एंड बेकरी' के 20 कारीगरों ने 96 घंटों में तैयार किया था।

दुनिया का सबसे महंगा केकः दुनिया का सबसे महंगा केक ब्रिटिश डिजाइनर डेबी विंघम द्वारा वर्ष 2015 में बनाया गया था, जिसकी कीमत लगभग 75 मिलियन डॉलर (करीब 625 करोड़ रुपए) थी। यह केक एक फैशन रनवे की थीम पर आधारित था, जिसमें 4,000 से अधिक असली हीरे और कीमती रत्न जड़े गए थे।

दुनिया का सबसे बड़ा बर्थ-डे केकः यह रिकॉर्ड सन् 1990 में अमेरिका के अलबामा राज्य के फोर्ट पायने शहर के 100वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बने केक के नाम है।

सिने-ट्रेंड / गौरव द्विवेदी

हिंदी सिनेमा का स्वर्णिम दौर केवल महान अभिनेताओं का दौर नहीं था, बल्कि महान लेखकों का भी दौर था। 1950, 60 और 70 के दशक में बॉलीवुड की सबसे बड़ी ताकत उसके लेखक हुआ करते थे। उस दौरान फिल्मों की नींव प्रायः साहित्य पर रखी जाती थी और पटकथा लेखक फिल्म निर्माण की प्रक्रिया के केंद्र में हुआ करते थे। यही कारण है कि उस दौर की अनेक फिल्में आज भी प्रासंगिक लगती हैं, जबकि तकनीकी रूप से कहीं अधिक उन्नत आज की कई फिल्में कुछ वर्षों में ही भुला दी जाती हैं।

साहित्य-सिनेमा चलते थे साथ-साथः हिंदी फिल्मों के उस स्वर्ण युग के पीछे प्रोग्रेसिव राइटर्स एसोसिएशन और भारतीय साहित्यिक परंपरा का गहरा प्रभाव था। उर्दू और हिंदी साहित्य से जुड़े अनेक लेखक फिल्म उद्योग में आए। इनमें साहिर लुधियानवी, कैफी आजमी, ख्वाजा अहमद अब्बास, राजेंद्र सिंह बेदी, इस्मत चुगताई, कृशन चंदर, अली सरदार जाफरी, राही मासूम रजा, गुलशन नंदा, कमलेश्वर, मनोहर श्याम जोशी और शैलेंद्र के नाम प्रमुख थे। इन लेखकों ने फिल्मों को केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रहने दिया, बल्कि समाज, राजनीति और मानवीय संवेदनाओं का सशक्त दस्तावेज बना दिया।

साहित्य का विस्तार होती थीं फिल्मी पटकथाः उस दौर में पटकथा लेखन सिर्फ घटनाओं का क्रम नहीं था, बल्कि साहित्य का स्वाभाविक विस्तार हुआ करता था। ख्वाजा अहमद अब्बास ने 'आवारा', 'श्री 420', 'जागते रहो' और 'बॉबी' जैसी फिल्मों में सामाजिक यथार्थ को स्वर दिया। राजेंद्र सिंह बेदी ने 'देवदास', 'मधुमती' और 'अनुपमा' जैसी फिल्मों की पटकथाओं में साहित्यिक गहराई जोड़ी। राही मासूम रजा ने 'मैं तुलसी तेरे आंगन की', 'गोलमाल' और बाद में 'महाभारत' (सीरियल) से अपनी पहचान बनाई।

साहित्य से निकली कालजयी फिल्मेंः यह वह दौर था, जब फणीश्वरनाथ रेणु की कहानी पर 'तीसरी कसम' बनी, आर. के. नारायण के उपन्यास पर 'गाइड' बनी, बिमल मित्र के उपन्यास पर 'साहिब बीवी और गुलाम' बनी।

लेखकों की मेज से उपजा हिंदी सिनेमा का स्वर्णयुग

हिंदी सिनेमा का स्वर्णिम दौर केवल सितारों का नहीं, बल्कि लेखकों का भी स्वर्णिम समय था। साहित्य से निकली कहानियों और सशक्त पटकथाओं ने उस दौर की फिल्मों को कालजयी बनाया। आज जब बॉलीवुड सशक्त कहानी की कमी से जूझ रहा है, ऐसे में उसे फिर से साहित्य की ओर लौटने की दरकार है।

मन्नू भंडारी, अमृता प्रीतम, धर्मवीर भारती और प्रेमचंद जैसे साहित्यकारों की रचनाएं भी फिल्मकारों को प्रेरित करती थीं। सत्यजीत रे, ऋत्विक घटक और मृणाल सेन जैसे फिल्मकारों का प्रभाव भी हिंदी सिनेमा के गंभीर रचनाकारों पर दिखाई देता था।

पटकथा लेखन के स्टार सलीम-जावेदः 1970 के दशक में पटकथा लेखन को नई ऊंचाई सलीम-जावेद की जोड़ी ने दी। 'जंजीर', 'दीवार', 'शोले', 'त्रिशूल', 'डॉन' और 'शक्ति' जैसी फिल्मों ने साबित किया कि मजबूत कहानी और दमदार संवाद किसी भी फिल्म की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं। यह संयोग नहीं है कि इन फिल्मों के संवाद आज भी लोगों की यादों में बसे हुए हैं।

बदलने लगीं प्राथमिकताएंः 1980 के दशक में हिंदी सिनेमा की दिशा बदलने लगी। वीडियो कैसेट संस्कृति, टेलीविजन का विस्तार और तेजी से बढ़ते व्यावसायिक दबावों के बीच कहानी की जगह फॉर्मूले ने लेनी शुरू कर दी। 'डिस्को डांसर' और 'हिम्मतवाला' जैसी फिल्मों की व्यावसायिक सफलता ने निर्माताओं को यह विश्वास दिलाया कि संगीत, सितारे और मनोरंजक मसाले, सशक्त कहानी की कमी पूरी कर सकते हैं।

नहीं है कहानियों की कोई कमीः वास्तव में बॉलीवुड की समस्या प्रतिभा की कमी नहीं, बल्कि साहित्य और समाज से दूरी है। हिंदी पट्टी में प्रेमचंद, रेणु, श्रीलाल शुक्ल, अमरकांत, काशीनाथ सिंह, उदय प्रकाश, चित्रा मुद्गल, गीतांजलि श्री, संजीव और नीलोत्पल मृणाल जैसे लेखकों का विशाल संसार मौजूद है। लोककथाओं, इतिहास, ग्रामीण भारत, छोटे शहरों, सामाजिक बदलावों और समकालीन भारत के असंख्य अनुभवों से भरी कहानियां आज भी लिखी जा रही हैं। जरूरत केवल उन्हें पर्दे पर लाने की इच्छा की है।

फिर से देना होगा कहानियों को महत्वः यदि बॉलीवुड को अपनी खोई हुई रचनात्मक ऊर्जा वापस हासिल करनी है तो उसे फिर से लेखकों की महत्ता को स्वीकारना होगा। आखिरकार 'मदर इंडिया', 'दो बीघा जमीन', 'गाइड', 'आनंद' जैसी फिल्मों को कैमरों ने नहीं, कहानियों ने अमर बनाया था। सिनेमा का भविष्य भी वहीं से निकलेगा जहां उसका स्वर्णिम अतीत जन्मा था यानी लेखकों की मेज से। *

(लेखक फिल्म नीति के जानकार हैं)

दक्षिण भारतीय फिल्मों में बरकरार कहानी का महत्व

दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योगों ने कहानी की परंपरा को बनाए रखा। मलयालम सिनेमा में एम. टी. वासुदेवन नायर, पद्मराजन, लोहितदास और हाल के वर्षों में दिलीश पोथन तथा श्याम पुष्करण जैसे लेखकों-निर्देशकों ने साहित्य और समाज से जुड़ी कहानियों को जीवित रखा। तमिल सिनेमा में जयकांतन, सुजाता और बाद में वेट्रिमारन जैसे फिल्मकारों ने यथार्थवादी कथाओं की परंपरा को आगे बढ़ाया। इसी का परिणाम है कि 'दृश्यम', 'प्रेमम', 'कुंबलंगी नाइट्स', 'महाराजा', 'असुरन', 'जय भीम', '96', 'कांतारा', 'चार्ली 777' और 'पुष्पा' जैसी फिल्में अपनी स्थानीय संस्कृति में रची-बसी होने के बावजूद राष्ट्रीय और वैश्विक दर्शकों तक पहुंचती हैं। ये फिल्में दर्शाती हैं कि स्थानीयता ही वैश्विकता का रास्ता बन सकती है